लखनऊ

गुरुवार, 7 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 253

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"पढ़ाई से थक जाओ तो थोड़ा आराम करो, लेकिन अपने सपनों से कभी समझौता मत करो।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

हार के बाद भी इस्तीफा नहीं, राउत ने दिया समर्थन, कहा- तानाशाही के खिलाफ लड़ना होगा

मुंबई। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद देश की राजनीति गरमा गई है। शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने के फैसले का पुरजोर समर्थन किया है। राउत ने कहा कि ममता बनर्जी का यह कदम केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि यह केवल सत्ता का मोह नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की एक लड़ाई है। संजय राउत ने कहा कि देश में केंद्र की तानाशाही और चुनाव आयोग के पक्षपाती व्यवहार के खिलाफ एकजुट होना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में चुनाव आयोग की आलोचना की। राउत ने आरोप लगाया कि वर्तमान में चुनाव संस्था पूरी तरह से केंद्र सरकार की गुलाम बन चुकी है। उन्होंने विपक्षी दलों से आह्वान किया कि अब यह तय करने का समय आ गया है कि भविष्य में चुनाव लड़ना भी है या नहीं। ममता बनर्जी ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने बंगाल के चुनावी नतीजों को जनता का फैसला मानने से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि टीएमसी को साजिश के तहत हराया गया। 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 207 सीटें मिली हैं, जबकि टीएमसी मात्र 80 सीटों पर सिमट गई है। ममता ने कहा कि उनकी लड़ाई भाजपा से नहीं, बल्कि पक्षपाती चुनाव आयोग से थी। राउत ने ममता के फैसले को सही ठहराते हुए 2022 के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट का उदाहरण दिया। उन्होंने याद दिलाया कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की थी कि यदि उद्धव ठाकरे इस्तीफा नहीं देते, तो उनकी सरकार बहाल हो सकती थी। राउत ने बताया कि उद्धव ठाकरे ने फोन कर ममता बनर्जी को समर्थन दिया है। इंडिया गठबंधन के लगभग सभी बड़े नेताओं ने ममता बनर्जी के साथ एकजुटता दिखाई है।

बंगाल में हिंसा पर पुलिस का एक्शन, 80 लोग गिरफ्तार; बिना इजाजत जुलूस पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सुरक्षा बल की टीम पूरी तरह से सक्रिय है। वहीं, खास तौर से राज्य की राजधानी कोलकाता में विशेष व्यवस्था की गई है। इसको लेकर कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने बुधवार को प्रेस वार्ता भी की। इसमें उन्होंने साफ कहा है कि, लोग किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। उन्होंने आगे बताया कि, पुलिस हर स्थिति पर नजर रख रही है और जहां भी गड़बड़ी की कोशिश होगी, वहां तुरंत कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि न्यूटाउन इलाके में जो घटना सामने आई है, उस पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस मामले में एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि, यह मामला दो गुटों के आपसी टकराव का है। इस दौरान कई जगहों से हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का मानना है कि कुछ लोग जानबूझकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने यह भी बताया कि अब तक कुल 80 लोगों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया जा चुका है।

हैदराबाद हाउस: भारत और वियतनाम ने 13 समझौतों पर किए हस्ताक्षर, साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या बोले पीएम मोदी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दौरे पर आए वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम ने बुधवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले साल जब भारत से पवित्र बौद्ध अवशेष वियतनाम भेजे गए, तो डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने उनके दर्शन किए थे। हम चंपा संभ्यता की पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखेंगे और इस अमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखेंगे।

उन्होंने कहा, एक दशक पहले वियतनाम की मेरी यात्रा के दौरान वियतनाम आसियान में भारत का पहला 'व्यापक रणनीतिक साझेदार' बना था। तब से हमारे संबंधों और हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। सभ्यताओं के साथ-साथ हमारे व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन के संबंध भी मजबूत हुए हैं। इसी मजबूत नींव पर आगे बढ़ते हुए आज हम अपने संबंधों को 'आधुनिक व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जा रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

'साझेदारी में विरासत और विकास अहम'

इसके अलावा, उन्होंने अपने भारत दौरे की शुरुआत बोधगया से की। यह हमारे दोनों देशों की साझा सभ्यतागत और आध्यात्मिक परंपराओं को दर्शाता है। उनके इस दौरे और हमारी सार्थक चर्चाओं के माध्यम से हम अपनी आपसी सद्भावना को ठोस नतीजों में बदल रहे हैं। भारत और वियतनाम के बीच साझेदारी में विरासत और विकास, दोनों ही अहम हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे भारत में राष्ट्रपति तो लाम का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ उनका भारत दौरा स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि वह भारत-वियतनाम संबंधों को कितनी प्राथमिकता देते हैं।

दोनों देशों के बीच 13 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। जो इस प्रकार से हैं-

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड और वियतनाम के इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी ऑफ रेडियोएक्टिव एंड रेयर एलिमेंट्स (आईटीआरआरई) के बीच आपसी सहयोग पर समझौता।

भारत के संस्कृति मंत्रालय और वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय के बीच 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और वियतनाम के स्टेट बैंक (एसबीवी) के बीच भुगतान प्रणालियों और डिजिटल भुगतान में नवाचार के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता। भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत औषधि प्रशासन (डीएवी) के बीच चिकित्सा उत्पाद विनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और हो ची मिन्ह सिटी पीपल्स कमेटी के बीच मित्रता और सहयोग बढ़ाने पर समझौता।

आईसीसीआर और यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड एजुकेशन (दा नांग विश्वविद्यालय) के बीच 'आईसीसीआर चेयर ऑफ इंडिया स्टडीज' की स्थापना पर समझौता।

राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय और हनोई स्थित हो ची मिन्ह नेशनल एकेडमी ऑफ पॉलिटिक्स (एचसीएमए) के बीच समझौता।

एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और वियतनाम के नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनएपीएएस) के बीच समझौता

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) कार्यालय और वियतनाम के राज्य लेखा परीक्षा कार्यालय के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की लेखा परीक्षा के क्षेत्र में समझौता।

भारत के पर्यटन मंत्रालय और वियतनाम के खेल, संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय के बीच पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

आईसीसीआर और यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज के बीच 'आईसीसीआर चेयर ऑफ इंडियन स्टडीज' की स्थापना पर समझौता।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वियतनाम के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।

'भाजपा का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता'

निष्पक्ष चुनाव हुए तो 140 सीटें भी नहीं जीतेंगे: राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा के हर छठे सांसद ने वोट चोरी के जरिए जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर देश में निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं तो बीजेपी 140 सीटें भी नहीं जीत पाएगी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि वोट चोरी से कभी एक सीट चुराई जाती है और कभी पूरी सरकार। लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसदों में लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी करके पहुंचा है। उन्होंने भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि ऐसे सांसदों की पहचान करना मुश्किल नहीं है। राहुल गांधी ने भाजपा की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे लोगों को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए। उन्होंने हरियाणा सरकार को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि वहां पूरी सरकार ही घुसपैठिया है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर किया जा रहा है और जिन संस्थाओं को निष्पक्ष होना चाहिए, वे रिमोट कंट्रोल से चलाई जा रही हैं। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा को सबसे ज्यादा डर सच से लगता है। अगर आज निष्पक्ष चुनाव हो जाएं तो वे 140 सीटें भी नहीं जीत पाएंगे।

इससे एक दिन पहले भी राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को जनादेश की चोरी करार दिया था। उन्होंने कहा था कि यह भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की बीजेपी की बड़ी रणनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी ने टीएमसी का समर्थन करते हुए कहा कि टीएमसी की हार पर खुशी जताने वालों को छोटी राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी एक पार्टी की लड़ाई नहीं, बल्कि भारत और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है।

बंगाल हिंसा में दो लोगों की मौत, एक्शन मोड में सीईसी ! डीजीपी, डीएम और एसपी को आदेश- 'गश्त बढ़ाओ, गिरफ्तार करो'

नई दिल्ली, एजेंसी। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल में हिंसा भड़काने वालों और तोड़फोड़ करने वालों पर सख़्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। सीईसी ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी, कोलकाता पुलिस कमिश्नर और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के डीएमs सहित सभी डीएमs, एसपीs और पुलिस अधिकारियों को निरंतर गश्त पर रहने के आदेश दिए। पश्चिम बंगाल मे हिंसा भड़काने और तोड़फोड़ करने वाले तुरंत गिरफ़्तार होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि निर्वाचन आयोग ने मामले में कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति अपनाने की बात कही है। निर्वाचन आयोग ने यह निर्देश तब जारी किया, जब राज्य में हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में कथित तौर पर दो लोगों की हत्या कर दी गई और कई पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई। अधिकारी ने कहा, 'यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शांति बनी रहे और इसे बिगाड़ने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाए। निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे चुनाव के बाद होने वाली किसी भी तरह की हिंसा के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करें। इस संबंध में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति होनी चाहिए, चाहे इसमें कोई भी शामिल हो।'

निर्वाचन आयोग के निर्देश

निर्वाचन आयोग ने कहा कि राज्य के अधिकारियों और केंद्रीय बलों- दोनों को ही सतर्क रहने तथा किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'स्थिति नियंत्रण में रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के बीच घनिष्ठ समन्वय पर ज़ोर दिया गया है।' बता दें कि मंगलवार को कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में भाजपा के एक कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस कार्यकर्ता का नाम मधु मंडल बताया जा रहा है। आरोप है कि इस घटना में टीएमसी समर्थकों का हाथ है। इस हत्या के बाद परिवार और स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा फैल गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

बंगाल में लोकतंत्र 'बंदूक के दम पर' चल रहा : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र ''बंदूक के दम पर'' चल रहा है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनावी जनादेश की भावना को स्वीकार न करने का आरोप भी लगाया। प्रधान ने 'एक्स' पर किए एक पोस्ट में कहा कि जनादेश को ''जनता की आवाज'' के बजाय ''अस्वीकार किए जा सकने वाले सुझाव'' की तरह लिया जा रहा है, जिससे यह सवाल उठता है कि सत्ता को जिम्मेदारी माना जा रहा है या अधिकार।

उन्होंने कहा, ''बंगाल में लोकतंत्र बंदूक के दम पर है और चुनावी परिणाम को स्वीकार न करना इस सच्चाई को उजागर करता है। जनादेश को जनता की आवाज की तरह नहीं, बल्कि ऐसे सुझाव के रूप में देखा जा रहा है जिन्हें ठुकराया जा सकता है। ममता बनर्जी द्वारा जनादेश की भावना को न मानना एक गंभीर सवाल खड़ा करता है : क्या सत्ता को जिम्मेदारी के रूप में लिया जा रहा है या सिर्फ अधिकार के रूप में?'' प्रधान ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व जवाबदेही से बच रहा है और ''सत्ता से चिपके रहने'' की कोशिश में निर्वाचन आयोग और सुरक्षा बलों जैसे संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''सत्ता से चिपके रहने की प्रक्रिया में ममता बनर्जी न केवल लोगों के जनादेश को नकार रही हैं, बल्कि चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों जैसे संस्थानों की साख को भी कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव सुनिश्चित करते हैं।'' प्रधान ने यह भी दावा किया कि राज्य में शासन लंबे समय से डर और जमी-जमाई राजनीतिक संरक्षण की संस्कृति से प्रभावित रहा है और जनादेश की अनदेखी लोकतांत्रिक वैधता को कमजोर करेगी। उन्होंने कहा, ''बंगाल का यह जनादेश डर और दबाव की राजनीति के प्रति अस्वीकृति की और जवाबदेही की मांग है। इसे नजरअंदाज करना लोकतांत्रिक वैधता की बुनियाद को कमजोर करना होगा।'' उन्होंने कहा, "भारत का संविधान शासन में हठधर्मिता को सद्गुण के रूप में मान्यता नहीं देता है। जवाबदेही अनिवार्य है और जनादेश पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।'' गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से चुनाव हारने के बाद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया और राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल से निरंतर चले आ रहे शासन का अंत कर दिया।

लोन नहीं चुकाया तो जब्त हो जाएगी प्रॉपर्टी, RBI ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपने बैंक से लोन लिया है और उसे चुका नहीं पा रहे हैं? या फिर आप एक निवेशक हैं जो बैंकिंग सेक्टर पर नजर रखते हैं? तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी RBI ने बैंकों और NBFCs के लिए कर्ज वसूली यानी लोन रिकवरी से जुड़े नए नियमों का एक बड़ा मसौदा (Draft) पेश किया है।

अब तक बैंक अक्सर कानूनी दांव-पेंच में फंसे रहते थे, लेकिन अब RBI के नए प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई कर्ज NPA (डूब चुका कर्ज) हो जाता है, तो बैंक वसूली के लिए गिरवी रखी गई जमीन या मकान जैसी अचल संपत्तियों को सीधे अपने कब्जे में ले सकेंगे। इन्हें तकनीकी भाषा में SNFA कहा जाएगा। लेकिन रुकिए! यहां बैंकों के लिए कुछ सख्त शर्तें भी हैं- बैंक इन संपत्तियों के मालिक बनकर हमेशा के लिए नहीं बैठ सकते। उन्हें कब्जा लेने के 7 साल के भीतर हर हाल में उस प्रॉपर्टी को बेचना होगा। आरबीआई का मानना है कि संपत्तियों को सही समय पर और पारदर्शी तरीके से बेचने से बैंकों को अपना ज्यादा से ज्यादा पैसा वापस मिलेगा यह नियम केवल तभी लागू होंगे जब वसूली के बाकी तमाम रास्ते बंद हो चुके हों।

इस खेल में किसी भी तरह की 'सेटिंग' या गड़बड़ी को रोकने के लिए RBI ने एक कड़ा नियम रखा है। बैंक यह संपत्ति वापस उसी उधार लेने वाले व्यक्ति या उससे जुड़े किसी भी शख्स को नहीं बेच पाएंगे। यानी, डिफॉल्टर अब अपनी ही संपत्ति को कम दाम में वापस खरीदने का खेल नहीं खेल सकेंगे। आरबीआई ने इस ड्राफ्ट पर आम जनता और विशेषज्ञों से 26 मई तक सुझाव मांगे हैं। इसके बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। साफ है कि बैंकिंग सिस्टम को साफ-सुथरा बनाने और बैंकों का फंसा हुआ पैसा निकालने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

3 घंटे के अंदर 2 बड़े धमाके... सुरक्षा एजेंसियों के ठिकानों के पास विस्फोट से पंजाब में हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में कल मंगलवार रात 2 बड़े धमाके हुए। ये दोनों धमाके महज 3 घंटे के अंदर 2 अलग-अलग शहरों में हुए। पहले जालंधर फिर अमृतसर में हुए ताबड़तोड़ संदिग्ध धमाकों से इलाके में दहशत फैल गई है। धमाकों की वजह और इसके पीछे साजिश की पड़ताल का काम भी शुरू हो गया। वहीं NIA की टीमें भी इन दोनों शहर में धमाकों वाली जगहों का मुआयना करने पहुंच रही हैं, सबूत भी एकत्र करेंगी।

सूत्रों के मुताबिक, धमाके के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की एक टीम अभी घटना के बारे में और जानकारी इकट्ठा करने और जांच में पंजाब पुलिस की मदद करने के लिए जालंधर जा रही है। फिलहाल कल रात जालंधर में BSF हेडक्वार्टर के पास पार्क की गई स्कूटी में धमाके की जगह को आगे की जांच के लिए इलाके को घेर लिया गया है। दोनों धमाके 3 घंटे से भी कम समय के अंदर हुए। पहला धमाका जालंधर में सीमा सुरक्षा बल हेड क्वार्टर के बाहर हुआ। यह बड़ा धमाका रात 8 बजे हुआ। धमाका स्कूटी में हुआ था। फ्लिककार्ट कंपनी के डिलीवरी बॉय की स्कूटी BSF पंजाब फ्रंटियर हेडक्वार्टर के बाहर खड़ी थी और रात 8 बजे धमाका हो गया। धमाके की वजह से यह स्कूटी पूरी तरह से जल गई। धमाके की आवाज एक किलोमीटर तक सुनाई दी। धमाके में किसी की जान नहीं गई, हालांकि BSF का ASI सप्लिंटर्स से घायल हो गया। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि या तो ग्रेनेड अटैक किया गया है या फिर स्कूटी में रखे पैकेज या पार्सल में विस्फोटक रखे गए थे। धमाके के बाद डिलीवरी बॉय को हिरासत में लिया गया और CCTV फुटेज को खंगाला जा रहा है।

दूसरा धमाका आर्मी कैंटोनमेंट के पास

जालंधर में सेफ जोन में हुए धमाके को लेकर जांच और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा ही रहे थे कि करीब 3 घंटे बाद पड़ोसी जिले अमृतसर में भी धमाका हो गया। यह धमाका अमृतसर के आर्मी कैंटोनमेंट (खासा क्षेत्र) के पास देर रात करीब 10।50 बजे हुआ। इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि पूरे इलाके में क्षेत्र में दहशत फैल गई। आर्मी कैंटोनमेंट के पास हुए धमाकों की जांच को लेकर Bomb Disposal Squad (BDS) और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। शुरुआती जांच में धमाके के लिए IED धमाका या ग्रेनेड हमले का संदेह जताया जा रहा है। पाकिस्तान से सटे पंजाब में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दोनों धमाकों की जांच चल रही है। साथ ही इन धमाकों के पीछे आतंकी एंगल भी खंगाला जा रहा है, खासतौर ऑपरेशन सिंदूर (Operation Sindoor) की पहली वर्षगांठ के आसपास होने के कारण खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई है।

यह राष्ट्रीय सुरक्षा का संकट: रवनीत बिट्टू

धमाकों को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने X पर कहा, "पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। सरकार को सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बंद करना चाहिए। पिछले एक हफ्ते में पंजाब के शंभू, जालंधर और अब अमृतसर में लगातार हुए धमाकों ने राज्य की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यह बेहद चिंताजनक है कि सच को सामने लाने के बजाय, सरकार हर घटना को दबाने और उस पर 'पर्दा डालने' की कोशिश कर रही है।"

सरकार अक्षम और निष्क्रिय: बिक्रम सिंह

उन्होंने आगे कहा, "रेलवे लाइनों और सैन्य ठिकानों जैसी संवेदनशील जगहों के पास होने वाले ये हमले महज कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा का संकट है। भगवंत मान सरकार की लापरवाही के चलते, आज पंजाब का हर नागरिक डर और असुरक्षा के साये में जी रहा है।

अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने धमाकों को लेकर राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा, "जालंधर और अमृतसर में BSF प्रतिष्ठानों के बाहर घंटों तक जारी रहने वाली घटनाएं यह उजागर करती हैं कि एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य को संभालने में यह सरकार कितनी अक्षम, निष्क्रिय और नशे में डूबी हुई है।"

डीएम एसपी ने अपनाया जनसुनवाई का नया तरीका

जनसुनवाई के दौरान वर्चुअल जुड़ रहे है जिले के अफसर

वर्चुअल जुड़े अफसरों से तत्काल जानकारी के साथ निस्तारण का दे रहे है निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के प्रशासन व पुलिस विभाग की मुखिया इस समय जनसुनवाई के दौरान जिले के सभी अफसरों को वर्चुअल जोड़ कर मामले की जानकारी के साथ निस्तारण का निर्देश दे रहे है। जिससे जनसामान्य को न्याय की उम्मीद जगी है। पूर्व में प्रार्थना पत्रों पर आदेश तो हो जाता था लेकिन क्रियान्वयन बहुत कम ही होता था। जिसके जिले के दोनों वरिष्ठ अफसर बेहद संजीदा दिखाई दे रहे है।

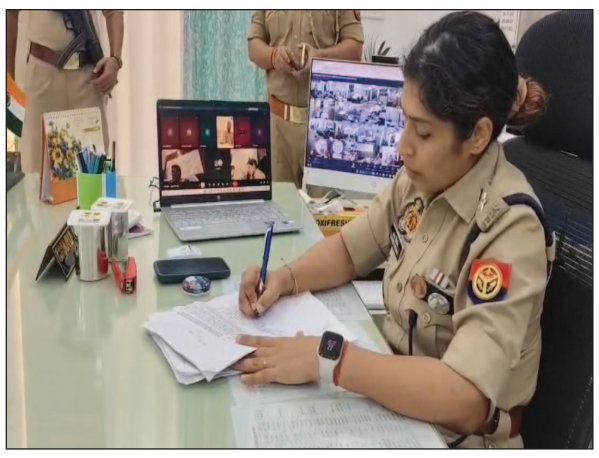

बता दे कि शासन द्वारा निर्धारित जनता दर्शन के समय सुबह के 10 बजे से 12 बजे तक जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह व एसपी चारु निगम अपने अपने कार्यालय के बैठकर जनसुनवाई करते है। जिले के सुदूर इलाकों से आए हुए फरियादियों की समस्या के निस्तारण के लिए दोनों अधिकारियों ने नया प्रयोग शुरू किया है। जिसमे संबंधित विभाग के सभी अधिकारी वर्चुअल जुड़े रहते है। जिस विभाग या अधिकारी से संबंधित मामला जनसुनवाई में पहुंचता है। उससे सीधे संवाद कर मामले की जानकारी के साथ उचित निस्तारण का निर्देश डीएम एसपी द्वारा दिया जा रहा है। ऐसे में जो लापरवाह अधिकारी/कर्मचारी पहले जनसुनवाई के समय अपने कार्यालय से गायब रहते थे उन पर लगाम लग गई। अब उन्हें 10 बजते ही ऑफिस पहुंचकर वर्चुअल जुड़ना ही पड़ रहा है। दोनो अधिकारियों के इस निर्णय से लोगों के बीच सराहना हो रही है। पूर्व में जो आदेश फाइलों में गुम हो जाते थे अब शिकायत पर तुरंत कार्यवाही का निर्देश मिल रहा है। साथ ही जो लोग झूठी शिकायत लेकर पहुंच जाते थे उन पर भी लगाम लगने की पूरी उम्मीद है। इस तरह पारदर्शी तरीके से आम जन के शिकायत के निस्तारण से लोगो को उम्मीद भी जगी है और काफी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर डीएम एसपी के कार्यालय पहुंच रहे है।

पति संग मिलकर प्रेमी की हत्या : पीलीभीत में शादीशुदा प्रेमिका ने रची खौफनाक साजिश, खंडहर में छिपाया शव

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत जिले में माधोटांडा थाना पुलिस ने गुरबाज सिंह हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। अवैध संबंध के चलते गुरबाज की हत्या की गई थी। पुलिस ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी सतेंद्र सिंह और उसकी पत्नी शुभप्रीत कौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी शुभप्रीत से गुरबाज सिंह के अवैध संबंध थे।

पुलिस के अनुसार, गांव बसंतपुर नैनेर निवासी गुरबाज सिंह 22 अप्रैल 2026 को पूरनपुर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। वह घर वापस नहीं आए, जिसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बाद में पूरनपुर क्षेत्र के एक खेत में उनका शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान गुरबाज सिंह के रूप में हुई।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी शुभप्रीत कौर का गुरबाज सिंह के साथ पिछले करीब एक वर्ष से संबंध था। शुभप्रीत उससे संबंध खत्म करना चाहती थी, लेकिन गुरबाज उसे परेशान कर रहा था। इसी से परेशान होकर शुभप्रीत ने अपने पति सतेंद्र के साथ मिलकर साजिश रचकर गुरबाज की हत्या कर दी।

हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद

पुलिस की पूछताछ में शुभप्रीत कौर ने अपने पति सतेंद्र सिंह के साथ मिलकर गुरबाज सिंह की हत्या करने की बात स्वीकार की। दोनों ने उसके शव को खंडहर में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड बरामद की है। इसके साथ ही मृतक की चेन भी बरामद कर ली गई है।

देहात कोतवाली क्षेत्र में गोकशी का खुलासा, दो बोरी मांस बरामद, तीन नामजद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सुबह गोकशी की सूचना से हड़कंप मच गया। एक ग्रामीण की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दो बोरी में भरा संदिग्ध मांस बरामद किया। मामले में तीन लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज किया गया है। देहात कोतवाल धर्मवीर सिंह ने मांस बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जांच हेतु भेज दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। एहतियातन गांव और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस टीम सक्रिय होकर गोकशी में शामिल अन्य संभावित लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है,

ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। इस कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक चारू निगम एवं देहात कोतवाली प्रभारी धर्मवीर सिंह को बधाई देते हुए कहा कि, एसपी चारू निगम के प्रभावी निर्देशन में जनपद में गोकशी के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई हो रही है, जिससे अपराधियों में भय और आमजन में भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि गौवंश संरक्षण के लिए प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयास बेहद आवश्यक हैं, और इस तरह की कार्रवाई निश्चित रूप से एक सकारात्मक संदेश देती है।

जिन बच्चों को हर वक्त सीने से लगाए रहती थी प्रीति, उन्हीं को फंदे से लटकाकर मार डाला, फिर की खुदकुशी

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र के करमा थाना इलाके के विषहार गांव में मंगलवार को दोपहर में प्रीति राजभर (25) और उसके दो बच्चों चार साल के आर्यन और छह महीने के अयांश के शव रस्सी से बने फंदे पर लटके मिले। प्रीति और दोनों बच्चों के शव अलग-अलग कमरों में मिले। घटना के वक्त पति राजन राजभर और परिवार के अन्य सदस्य खेत पर काम करने गए थे।

घटना की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। परिजनों की तरफ से तहरीर नहीं दी गई है। एसओ सूर्यभान ने बताया कि विषहार गांव के राजन राजभर की शादी करीब पांच साल पहले मिर्जापुर के चित बिसरांव गांव की प्रीति के साथ हुई थी। दंपती के दो बच्चे थे। कुछ दिनों से पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। मंगलवार को भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। आरोप है कि पति पिटाई करता था। इसके बाद राजन अपने माता-पिता के साथ खेत में काम करने चला गया।

घर पर प्रीति और उसके दोनों बच्चे थे। दोपहर में जब वह घर लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद था, काफी देर तक आवाज लगाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की से झांक कर देखा तो कमरे में रोशनदान से बंधी रस्सी के सहारे प्रीति का शव फंदे पर लटक रहा था।

पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़कर राजन अंदर पहुंचा तो बगल वाले कमरे का दृश्य हृदयविदारक था। वहां अयांश और आर्यन के शव भी रस्सी के फंदे से लटक रहे थे। मृतका के बड़े पिता रामकुंवर राजभर ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रीति का पति अक्सर नशे में मारपीट करता था और ससुराल वाले दहेज को लेकर ताने देते थे। करमा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रीति और उसके दो बच्चों की मौत से पूरा गांव स्तब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रीति इस पारिवारिक कलह का जिक्र करती थी। हालांकि, परिजन भी इस बात को लेकर हैरान हैं कि आखिर ऐसी क्या परिस्थितियां बनीं कि यह दर्दनाक घटना हुई।

विषहार गांव में मां और उसके दो मासूम बच्चों की मौत की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। घटना के बाद से गांव में शोक और स्तब्धता का माहौल है। लोगों के लिए यह विश्वास करना मुश्किल हो रहा है कि एक मां अपने ही बच्चों के साथ ऐसा कदम उठा सकती है। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं। मृतका प्रीति की शादी करीब पांच वर्ष पहले हुई थी और उसके दो बच्चे थे। छोटा बेटा अयांश महज छह महीने का था। परिजनों के अनुसार, वह हमेशा अपनी मां के साथ रहता था और प्रीति भी उसे अपने से अलग नहीं होने देती थी।

पुलिस के अनुसार, प्रीति और दोनों बच्चों के शव अलग-अलग कमरों में पाए गए। जिस कमरे में बच्चों के शव मिले, वहां शटर के पाइप से रस्सी बंधी हुई थी। वहीं प्रीति का शव दूसरे कमरे में रोशनदान से लटकता हुआ मिला।

09 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनसामान्य को त्वरित, सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने हेतु 09 मई 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। सुल्तानपुर जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर समेत अमेठी जनपद की भी समस्त तहसीलों में किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार संपन्न होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी ने बताया कि लोक अदालत विवादों के निस्तारण का एक प्रभावी वैकल्पिक मंच है, जहां मामलों का समाधान आपसी समझौते के आधार पर किया जाता है। लोक अदालत के निर्णय को न्यायालय के फैसले के समान मान्यता प्राप्त होती है तथा यह सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लोक अदालत के निर्णय के विरुद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती, जिससे विवादों का शीघ्र एवं अंतिम निस्तारण संभव हो पाता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में न्यायालय में लंबित वादों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन स्तर पर भी बिना मुकदमा दायर किए पक्षकारों की सहमति से मामलों का निस्तारण कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, उपभोक्ता मामले, बैंक रिकवरी, चेक बाउंस (धारा 138 एनआई एक्ट), श्रम वाद, दीवानी वाद, फौजदारी सुलह योग्य प्रकरण, भूमि अधिग्रहण, स्टाम्प, चकबंदी, किरायेदारी, विद्युत चोरी, जलकर, गृहकर, सेवा एवं सेवानिवृत्ति से संबंधित मामलों सहित विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण किया जाएगा। सचिव द्वारा जनसामान्य से अपील की गई है कि वे आगामी 09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने विवादों का त्वरित, सस्ता एवं सुलभ समाधान प्राप्त करें।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो की मौत, महिला-बच्चे समेत तीन गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम शारदा सहायक नहर की पटरी पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। पूरे चंद्रिका मिश्र गांव के पास दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला, एक बच्चा और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। चश्मदीदों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे। दुर्घटना में एक बाइक चालक और दूसरी बाइक पर पीछे बैठे बुजुर्ग की मौके पर ही सांसें थम गईं। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल तिलकराज को जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया गया।

पुलिस जांच में प्रारंभिक रूप से लापरवाही और हेलमेट न पहनना हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों बाइक चालकों ने हेलमेट नहीं लगाया था, जिससे सिर में गंभीर चोटें आईं और दो लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान अयोध्या निवासी सुरेशचंद्र मिश्रा (45) तथा अमेठी निवासी राम पटेसर (65) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में तिलकराज (43), हिमांशी पाठक (16) सहित अन्य शामिल हैं, जिनका उपचार जारी है। इस हृदयविदारक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा नियमों, विशेषकर हेलमेट के अनिवार्य उपयोग की अहमियत को उजागर कर दिया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

डिफेंस सेक्टर में यूपी ने की उल्लेखनीय प्रगति- सीएम

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर युद्ध जैसी स्थितियों ने यह स्पष्ट किया है कि डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता कितनी आवश्यक है। कुछ वर्ष पहले भारत का रक्षा निर्यात लगभग 600 करोड़ रुपये ही था, लेकिन निरंतर प्रयासों से आज हमारी सामर्थ्य 38 हजार से 50 हजार करोड़ रुपये तक के रक्षा उत्पाद निर्यात करने की है। भारत अब मित्र देशों को रक्षा उत्पाद उपलब्ध करा रहा है। उत्तर प्रदेश ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के छह प्रमुख नोड्स लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट पर तेजी से कार्य हो रहा है। इन नोड्स में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतर रहे हैं। सरकार ने डिफेंस एवं एयरोस्पेस पॉलिसी के तहत बड़े लैंड बैंक का निर्माण किया है और निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में कूड़े को लेकर खूनी खेल, शादी समारोह से लौट रहे युवक की हत्या, ताबड़तोड़ 3 गोलियां मारीं

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां शादी समारोह से लौट रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

के साकीपुर गांव निवासी साजन मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे अपने दोस्तों के साथ एक शादी समारोह से वापस लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे उसके पड़ोसी मंगेश और उसके तीन साथियों ने उसे रोक लिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही गाली-गलौज में बदल गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मंगेश ने साजन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

फायरिंग के दौरान साजन को तीन गोलियां लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और घटना की सूचना परिजनों को दी गई। परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल साजन को आनन-फानन में पास के कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि साजन और आरोपी मंगेश के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों के बीच घर के बाहर कूड़ा फेंकने को लेकर पुरानी रंजिश थी, जो समय के साथ बढ़ती गई और अंततः इस खूनी वारदात में बदल गई।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र कुमार के अनुसार, घटना के समय आरोपी नशे में थे और पुरानी दुश्मनी के चलते विवाद फिर से भड़क उठा, जिसके बाद उन्होंने गोली मारकर साजन की हत्या कर दी।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मंगेश, वीर सिंह, वीरवती, श्रीपाल समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं, जो लगातार दबिश दे रही हैं। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों तक जल्द पहुंचा जा सके।

घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त बिजली व्यवस्था की मरम्मत तेज, जल्द मिलेगी राहत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। हाल ही में आए चक्रवाती असर और तेज आंधी-बारिश के कारण विद्युत वितरण खंड बल्दीराय की बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। कई स्थानों पर 11 केवी लाइनें टूट गईं, सैकड़ों बिजली के खंभे गिर गए और ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि विषम परिस्थितियों के बावजूद विद्युत विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युद्धस्तर पर मरम्मत और पुनर्स्थापन कार्य शुरू कर दिया।

विभाग सेवा ही सर्वोपरि के सिद्धांत पर काम करते हुए उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द राहत देने के लिए सभी संसाधनों का उपयोग कर रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बल्दीराय क्षेत्र के सभी 38 में से 38 फीडर चालू कर दिए गए हैं जबकि एलटी लाइनों पर बाकी काम तेजी से जारी है। आंधी-

तूफान में करीब 800 बिजली पोल क्षतिग्रस्त हुए थे, जिनमें से अब तक लगभग 650 पोल दोबारा खड़े किए जा चुके हैं। वहीं खराब हुए ट्रांसफार्मरों की मरम्मत और बदलने का काम भी प्राथमिकता के आधार पर लगातार जारी है। इस आपदा से लगभग 510 गांव प्रभावित हुए थे, जिनमें अब केवल 50 गांवों में ही आंशिक रूप से बिजली आपूर्ति बाधित है। यानी अब प्रभावित गांवों का प्रतिशत घटकर करीब 9.80: रह गया है जो विभाग के तेज और प्रभावी काम को दर्शाता है। मरम्मत कार्य को तेजी देने के लिए करीब 160 कर्मियों की टीम (80 विभागीय और 80 कार्यदायी संस्था के कर्मचारी) दिन-रात जुटी हुई है। इसके साथ ही 10 हाइड्रा मशीनों की मदद से पोल खड़े करने और लाइनों को दुरुस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा पूरे कार्य की लगातार निगरानी की जा रही है और उन इलाकों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां बिजली पूरी तरह ठप है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जल्द बिजली पहुंचाई जा सके। विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं तार टूटे हों या पोल गिरे हों तो तुरंत इसकी सूचना संबंधित उपकेंद्र या हेल्पलाइन पर दें। साथ ही, सभी लोग क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। विद्युत विभाग ने भरोसा दिलाया है कि वह उपभोक्ताओं को सुरक्षित, निर्बाध और बेहतर बिजली आपूर्ति देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा।

पालिका में आयोजित बोर्ड बैठक में पारित 2026-27 बजट हुआ पारित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के सभाकक्ष में 04 एजेण्डों पर बोर्ड की बैठक पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आहूत की गयी, बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु बजट, नामान्तरण शुल्क, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में प्रस्ताव भेजे जाने के सम्बन्ध में आहूत की गयी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रस्तावित बजट अनुमानित आय 73 करोड़ 36 लाख तथा उसके सापेक्ष गतवर्ष की अवशेष धनराशि 33.00 करोड़ को जोड़ते हुए लगभग 100.00 करोड़ का अनुमानित व्यय का प्रस्ताव ध्वनिमत से बोर्ड द्वारा पारित किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि 2026-27 के बजट में

शहर के बहुआयामी विकास हेतु योजनाएं लायी गयी हैं, जिसके पारित होने से केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं को लागू कराये जाने में सहयोग मिलेगा तथा नगर की पेयजल व्यवस्था, मार्ग प्रकाश, सड़क व जलनिकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए सुन्दर स्वच्छ सुलतानपुर बनाने का कार्य किया जायेगा, जिसके लिए नगर पालिका प्रतिबद्ध है। केन्द्र व प्रदेश सरकार की संचालित विभिन्न योजनाओं झील संरक्षण कार्यक्रम योजना, नगरीय झील तालाब पोखर संरक्षण योजना, नगरीय पेयजल कार्यक्रम (जिला योजना), पेयजल हेतु व्यवस्था, पार्कों का निर्माण एवं विकास योजना, मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना (ब्ड.टछल्द्धए मुख्यमंत्री नगरीय अल्प विकसित व मलिन बस्ती विकास योजना, सीवरेज एवं जल निकासी हेतु व्यवस्था आदि सम्बन्धित योजनाओं में चौराहों व पार्कों का सौन्दर्यीकरण तथा वार्डों में समुचित विकास कार्यों से सम्बन्धित प्रस्ताव प्राप्त कर भेजे जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। चर्चा के दौरान सभासद संजय कप्तान, प्रवीण मिश्र, भैयादीप सिंह, मो0 जाहिद, गिरीश मिश्र, दिनेश चौरसिया, विजय कुमार जायसवाल, रमेश सिंह, अफजल अंसारी सहित कतिपय सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव पालिकाहित एवं जनहित में प्रस्तुत किया। विशेष संकल्प की इस बैठक में 25 वार्ड के सभासदगण, 05 नामित सभासदगण, मा0 सदस्य विधान परिषद शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित 34 में 32 सदस्यगण की उपस्थित सराहनीय रही।

दरभंगा में उत्सव के रूप में मना विश्व हाथ स्वच्छता दिवस, जिले में जगह-जगह आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

दरभंगा। विश्व हाथ स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, महिला आरोग्य समितियों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके माध्यम से हाथों की स्वच्छता के महत्व एवं हाथ धोने के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से बताया गया।

स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस) विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से

'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में स्वास्थ्य कर्मियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्कूली बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने भाग लिया इस दिवस को दरभंगा जिले में एक त्योहार के रूप में मनाया गया। इसी क्रम में स्थानीय

विद्यालय, मध्य विद्यालय खाजा सराय एवं मध्य विद्यालय उखड़ा, हनुमानगर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक पुरूषोतम कुमार जयसवाल ने बताया कि संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे सरल और कारगर तरीका साबुन और पानी से हाथों को समय-समय पर धोना है। खाना खाने से पहले, खाना बनाने से पहले, शौच के बाद एवं घर की साफ-सफ़ाई के बाद यदि हाथों को सही तरीके से साबुन-पानी से धोते हैं तो हाथ स्वच्छ एवं कीटाणु मुक्त रहेंगे और बीमारियां दूर रहेंगी।

इस मौके पर पीएसआई इंडिया के संजय तरुण ने बताया कि हाथ धोने के विभिन्न चरणों का पालन कर बच्चों को डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित बनाया जा सकता है। इसे विभिन्न प्रचार-प्रसार सामग्री के माध्यम से बच्चों को समझाया भी गया। इस मौके पर यह भी बताया गया कि किसी भी बच्चे में दस्त की शिकायत हो तो तुरन्त ओआरएस एवं जिंक का इस्तेमाल शुरू करना चाहिए जो कि स्थानीय सरकारी अस्पतालों एवं आशा, ए एन एम के पास भी निःशुल्क उपलब्ध है। इस मौके पर दोनों विद्यालयों के छह से 12 वर्ष के 530 बच्चों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इसी क्रम में ख़जसराय यू पी एच सी के अंतर्गत महिला आरोग्य समिति की बैठक में आशा कार्यकर्ता गीता कुमारी ने सदस्यों को डायरिया की स्थिति में ओ आर एस और जिंक की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया।

आधुनिक युद्ध में कीबोर्ड भी बना हथियार, तकनीक और साहस का संतुलन जरूरी: योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और अब लड़ाई केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि साइबर, स्पेस, डेटा नेटवर्क और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम तक फैल चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में पारंपरिक हथियारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता, रणनीतिक सोच और मानसिक दृढ़ता भी उतनी ही आवश्यक हो गई है। आज के दौर में कीबोर्ड, सैटेलाइट और डेटा भी उतने ही प्रभावी हथियार बन चुके हैं, जितने पारंपरिक सैन्य उपकरण।मुख्यमंत्री प्रयागराज में "रक्षा त्रिवेणी संगम" थीम पर आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सियाचिन की बर्फीली चोटियों से लेकर रेगिस्तान की तपती रेत, घने जंगलों के अंधकार और समुद्र-आकाश की अनंत चुनौतियों के बीच भारतीय सैनिक हर परिस्थिति में मुस्तैद रहते हैं, जिनकी वजह से देश सुरक्षित है। अब युद्ध मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस के युग में प्रवेश कर चुका

है, जहां साइबर और स्पेस जैसे क्षेत्र भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।उन्होंने कहा कि दुश्मन के पावर ग्रिड, राडार, जीपीएस, बैंकिंग और संचार नेटवर्क को बाधित करना तथा अपने सिस्टम को सुरक्षित और अभेद्य बनाए रखना आधुनिक सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन गया है। सैटेलाइट्स अब युद्ध की आंख और दिमाग की तरह कार्य कर रहे हैं और डेटा के माध्यम से भी लड़ाई लड़ी जा रही है। मुख्यमंत्री ने डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि कुछ वर्षों पहले भारत का रक्षा निर्यात लगभग 600 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 38 हजार से 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भारत अब मित्र देशों को रक्षा उत्पाद उपलब्ध करा रहा है और इस दिशा में उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में विकसित हो रहा उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर देश की सैन्य क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।उन्होंने बताया कि इस कॉरिडोर के छह प्रमुख नोड्स—लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट—पर तेजी से कार्य हो रहा है और 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर रहे हैं। अलीगढ़ छोटे हथियारों के निर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा है, जबकि कानपुर गोला-बारूद, मिसाइल और डिफेंस टेक्सटाइल का हब बन रहा है। लखनऊ और झांसी में ब्रह्मोस मिसाइल और भारी रक्षा उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, वहीं चित्रकूट और आगरा में एयरोस्पेस और प्रिसिजन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विकास जारी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी डिफेंस कॉरिडोर के तहत तोप के गोले, स्वदेशी ड्रोन, बुलेटप्रूफ जैकेट और उन्नत संचार प्रणालियों का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में 56 प्रतिशत युवा वर्कफोर्स और 96 लाख एमएसएमई इकाइयों के साथ मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद है। सरकार स्किल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के माध्यम से इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स तैयार कर रही है। इसी क्रम में आईआईटी कानपुर के सहयोग से ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया गया है। उन्होंने भारतीय परंपरा "आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः" का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान जहां से भी मिले, उसे स्वीकार करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस सिम्पोजियम को उन्होंने ज्ञान, अनुभव और नवाचार के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 21 हजार से अधिक स्टार्टअप स्थापित हुए हैं, जो एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं।

काशी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह काशी पहुंचे, जहां उन्होंने आस्था और परंपरा के प्रतीक काशी विश्वनाथ धाम में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इसके बाद उन्होंने काल भैरव मंदिर में भी मत्था टेक कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और लोकमंगल की कामना की। मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। बाबा काल भैरव मंदिर में उन्होंने हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया और आसपास के घरों में मौजूद छोटे बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलारा। वहीं, काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन करने पहुंचे भक्तों ने मुख्यमंत्री को देखकर 'हर-हर महादेव' के जयकारों से स्वागत किया, जिसका उन्होंने भी अभिवादन कर जवाब दिया।इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा और धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

हर जरूरतमंद का बनवाएं आयुष्मान कार्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि सरकार इलाज कराने में भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों।

लखनऊ में 8 मई को 'सम्पूर्ण समाधान दिवस', नगर निगम मुख्यालय में सुनी जाएंगी समस्याएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 8 मई 2026 को 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम नगर निगम मुख्यालय लालबाग में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल करेंगी। इस दौरान नगर निगम से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही जनगणना 2027 को लेकर नागरिकों को जागरूक भी किया जाएगा।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान गृहकर, जीआईएस सर्वे, सफाई व्यवस्था, जल निकासी, सड़क मरम्मत और स्ट्रीट लाइट जैसी सेवाओं से संबंधित शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। नगर निगम के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे और उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। प्रशासन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें।इसी के साथ जनगणना 2027 के पहले चरण मकान सूचीकरण अभियान (एचएलओ) के तहत उत्तर प्रदेश में 22 मई से 20 जून 2026 तक घर-घर गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा दी गई है, जो 7 मई से 21 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस प्रक्रिया के तहत नागरिक जनगणना अधिकारी के आने से पहले ही ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।नगर निगम प्रशासन के अनुसार स्व-गणना पोर्टल हिंदी, अंग्रेजी सहित 14 भाषाओं में उपलब्ध है और कोई भी परिवार का सदस्य लगभग 15 से 20 मिनट में यह प्रक्रिया पूरी कर सकता है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद "H" से शुरू होने वाली 11 अंकों की एक विशेष स्व-गणना आईडी (SE ID) जनरेट होगी, जो एसएमएस और ईमेल के माध्यम से प्राप्त होगी और बाद में सत्यापन के दौरान आवश्यक होगी। जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 8 मई को ही झंडी वाला पार्क में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नागरिकों को स्व-गणना प्रक्रिया, ऑनलाइन पोर्टल के उपयोग और जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।

पाकिस्तानी गैंगस्टर के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश, प्लानिंग करने वाले दो युवकों को एटीएस ने पकड़ा

लखनऊ। यूपी एटीएस ने एक बड़े आतंकी नेटवर्क का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी पाकिस्तान गैंगस्टरों और आईएसआई एजेंट के संपर्क में थे। आरोपी देश के संवेदनशील संस्थानों, पुलिस ठिकानों और सुरक्षाबलों पर हमले के साजिश रच रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में कुशीनगर निवासी कृष्णा मिश्रा (20) और बाराबंकी निवासी दानियाल अशरफ (23) शामिल है। एटीएस के मुताबिक दोनों संदिग्ध आतंकी पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के संपर्क में थे, जो आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन में पाकिस्तानी नंबर सेव मिले हैं। सोशल मीडिया के जरिए इनकी वीडियो कॉलिंग और वॉइस नोट्स के साक्ष्य भी मिले हैं।

लखनऊ पुलिस की डिजिटल फॉरेंसिक में बढ़ी दक्षता, एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अपराधों की आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट लगातार तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसी क्रम में 6 मई 2026 को रिजर्व पुलिस लाइन्स सभागार में "डिजिटल/कम्प्यूटर फॉरेंसिक" विषय पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार और पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमावत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जबकि संचालन सहायक पुलिस आयुक्त (महिला अपराध/ट्रेनिंग सेल) सौम्या पाण्डेय के पर्यवेक्षण में किया गया।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल साक्ष्यों के संकलन, संरक्षण और विधिक प्रक्रियाओं की बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि विवेचना को आधुनिक तकनीक के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इसमें साइबर अपराधों में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित तरीके से एकत्र करने और उन्हें न्यायालय में सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के तरीकों पर विशेष जोर दिया गया।इस प्रशिक्षण में कुल 100 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। सत्र का संचालन वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने किया, जिन्होंने अपने अनुभव के आधार पर डिजिटल फॉरेंसिक के जटिल विषयों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधों के खुलासे में डिजिटल फॉरेंसिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।प्रशिक्षण के दौरान कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से साक्ष्य एकत्र करने की वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। 'हैश वैल्यू' की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि साक्ष्य की मौलिकता सुनिश्चित करने में इसकी अहम भूमिका होती है। साथ ही भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत आवश्यक प्रमाणपत्र की कानूनी प्रक्रिया के बारे में भी प्रतिभागियों को जानकारी दी गई।कार्यशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण को भी प्रमुखता दी गई। विभिन्न केस स्टडी के माध्यम से यह बताया गया कि घटनास्थल से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को किस प्रकार जब्त किया जाए और सुरक्षित तरीके से प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाए। मोबाइल डेटा रिकवरी और क्लाउड स्टोरेज से साक्ष्य निकालने की तकनीकों पर भी चर्चा हुई।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विवेचना की गुणवत्ता में सुधार होगा और अपराधियों के खिलाफ सजा की दर में वृद्धि होगी।

लखनऊ में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार, तीन चोरी की बाइक-स्कूटी बरामद

लखनऊ। राजधानी में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देश पर चल रही कार्रवाई में थाना सआदतगंज पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।गिरफ्तार अभियुक्तों में तेजी खेड़ा निवासी सुहेल (22) और हसियामऊ निवासी आरिफ (22) शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक स्कूटी एक्टिवा (UP 32 KE 6948), मोटरसाइकिल R15 (UP 32 NR 9670) और मोटरसाइकिल CD डीलक्स (UP 32 CP 6268) बरामद की है। इस संबंध में थाना सआदतगंज में मुकदमा अपराध संख्या 95/26 धारा 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल चुनाव : नामांकन पत्रों की बिक्री प्रक्रिया सम्पन्न, 8 पदों के लिए 17 फॉर्म बिके

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल की इकाई बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल के आगामी चुनाव को लेकर मंगलवार को लोधी भवन में नामांकन पत्रों की बिक्री की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। चुनावी गतिविधियों के इस महत्वपूर्ण चरण में व्यापारियों में उत्साह देखा गया और विभिन्न पदों के लिए दावेदारी पेश करने वालों ने नामांकन पत्र खरीदे।इस दौरान लखनऊ व्यापार मंडल के महामंत्री उमेश शर्मा, चुनाव अधिकारी राशिद भाई, चुनाव अधिकारी एवं पार्षद धर्मेंद्र सिंह, राम शंकर राजपूत, तारा चंद्र रावत, देवीदास अग्रवाल, राजेश शुक्ला, इरशाद अहमद (गुड्डे) और

एस. पी. पांडेय सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा काकोरी मोड़ व्यापार मंडल के सलाहकार शिवम पांडेय और चुनाव कार्यालय के सचिव नीरज शुक्ला सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।चुनाव अधिकारी राम शंकर राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 8 पदों के लिए अब तक 17 नामांकन पत्रों की बिक्री की गई है, जो व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 07 मई 2026 निर्धारित की गई है, जिसके बाद आगे की चुनावी प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई जाएगी।बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल की ओर से सभी संबंधित व्यापारियों से अपील की गई है कि वे तय समय सीमा के भीतर अपनी नामांकन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि चुनाव पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव को लेकर व्यापारियों में लगातार चर्चा और उत्सुकता का माहौल बना हुआ है, जिससे आगामी दिनों में चुनावी सरगर्मी और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

बीबीएयू में 'नवभारत लोकमंथन 2.0' का समापन, संसदीय वाद-विवाद में छात्रों ने दिखाया लोकतांत्रिक दृष्टिकोण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा 'लोकतंत्र, राजनीति और पारदर्शिता' विषय पर आयोजित 'नवभारत लोकमंथन 2.0' संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का समापन बुधवार को सम्पन्न हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मंच पर विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा और डॉ. अनीस अहमद भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से 60 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। आयोजन समिति ने कुलपति को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। प्रारंभ में प्रो. सुदर्शन वर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य की जानकारी दी।कुलपति प्रो. राज कुमार

मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि कानून केवल नियमों का समूह नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये नागरिकों को उनके दायित्वों का बोध कराते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दें तथा 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक स्तर पर भारत एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है और इसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।प्रो. सुदर्शन वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने और व्यक्तित्व विकास का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यक्रम उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं और उनकी बौद्धिक क्षमता को निखारते हैं।प्रतियोगिता के विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों ने अपने तर्क, विचार और शोध प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में कार्तिकेय शुक्ला को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का खिताब मिला। राजपाल, श्रेयांशी सिंह और विनायक नाथ को स्पेशल मेंशन, अविरल द्विवेदी को हाई कमेंडेशन तथा विशाल पाल को स्पेशल रिकग्निशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. सूफिया अहमद, डॉ. मुजीबुर्रहमान, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. ब्रजेश यादव, डॉ. खुशनुमा बानो सहित अन्य शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी, कई मार्गों पर रहेगा प्रतिबंध

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में 7 मई 2026 को इकाना स्टेडियम में आयोजित होने वाले आईपीएल मैच को लेकर पुलिस-प्रशासन ने विस्तृत ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था दोपहर 3 बजे से मैच समाप्ति तक प्रभावी रहेगी, ताकि दर्शकों की सुविधा और यातायात संचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया जा सके।डायवर्जन योजना के तहत शहीद पथ पर मैच के दौरान रोडवेज बसों, प्राइवेट बसों और सभी प्रकार के व्यवसायिक वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि निजी वाहन और किराये की टैक्सी/कारों को अनुमति दी गई है। सुल्तानपुर रोड से आने वाले भारी वाहन अमूल तिराहा से डायवर्ट होंगे, जबकि अर्जुनगंज की ओर से आने वाले वाहन कटाई पुल से मोड़े जाएंगे। रोडवेज द्वारा जारी डायवर्जन

प्लान का पालन निजी बस संचालकों को भी सख्ती से करना होगा।मैच के दौरान सिटी बसों का संचालन जारी रहेगा, लेकिन ये बसें शहीद पथ पर हुसड़िया और सुशांत गोल्फ सिटी के बीच कहीं नहीं रुकेंगी और सड़क की दाईं लेन में चलेंगी। वहीं, ई-रिक्शा और ऑटो को शहीद पथ और उसकी सर्विस रोड पर पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। अर्जुनगंज की तरफ से आने वाले ऑटो और ई-रिक्शा अहिमामऊ से बाएं मुड़कर पीएचक्यू और यूपी-112 मुख्यालय के पीछे की सड़क पर सवारी उतारेंगे, जबकि सुल्तानपुर रोड से आने वाले वाहन लूलू मॉल की ओर सवारी उतारेंगे। किसी भी स्थिति में अहिमामऊ के 500 मीटर के दायरे में सवारी चढ़ाने-उतारने की अनुमति नहीं होगी।ओला, ऊबर और अन्य किराये के वाहनों के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ये वाहन सिटी बसों की तरह ही हुसड़िया से सुशांत गोल्फ सिटी के बीच शहीद पथ पर सवारी नहीं बैठाएंगे और न ही उतारेंगे। एयरपोर्ट की ओर से आने वाले वाहन अहिमामऊ से पहले सवारी उतारेंगे, जबकि अर्जुनगंज की ओर से आने वाले वाहन निर्धारित रूट से होकर पीएचक्यू के पीछे ड्रॉप करेंगे।निजी वाहनों के लिए पार्किंग की विशेष व्यवस्था की गई है। जिनके पास पास होगा, वे अहिमामऊ से एचसीएल की ओर जाकर वाटर टैंक तिराहे से प्लासियो मॉल होते हुए चिन्हित पार्किंग स्थल तक पहुंचेंगे। बिना पास वाले वाहन भी इसी मार्ग का उपयोग करेंगे और पहले आने वालों को प्लासियो मॉल में पार्किंग मिलेगी, उसके बाद अन्य वाहनों को वाटर टैंक तिराहे से एचसीएल के बीच पार्क किया जाएगा। दोपहिया वाहनों के लिए प्लासियो मॉल के पीछे पार्किंग की व्यवस्था की गई है।वीआईपी और वीवीआईपी के साथ आने वाले स्कॉर्ट वाहन स्टेडियम के पास पार्क नहीं किए जाएंगे, बल्कि उन्हें मॉल या पीएचक्यू के पीछे निर्धारित स्थानों पर पार्क करना होगा। स्टेडियम के आसपास अवैध पार्किंग करने पर वाहनों को टो किया जाएगा और क्लैम्पिंग की कार्रवाई भी की जाएगी।दर्शकों के लिए टिकट पर क्यूआर कोड की सुविधा दी गई है, जिसे स्कैन करने पर पार्किंग स्थलों का पूरा मैप उपलब्ध होगा। स्टेडियम में प्रवेश मैच शुरू होने से तीन घंटे पहले दिया जाएगा और दूसरी पारी के मध्य तक ही प्रवेश संभव होगा। एक बार बाहर निकलने के बाद दोबारा प्रवेश नहीं मिलेगा। बिना टिकट या ड्यूटी कार्ड के प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।सुरक्षा के दृष्टिगत सिक्के, ईयरफोन और ज्वलनशील पदार्थ जैसे सामान स्टेडियम में ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम क्या देश की राजनीत तय करेंगे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के जो भी परिणाम आएंगे वे देश के 2029 लोकसभा चुनाव की दिशा ब दशा तय करेंगे। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम चार मई को आयेंगे। इन चुनावों में मुख्य मुकाबला ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तुड़मूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है हालांकि लेफ्ट और कांग्रेस भी मैदान में है। ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस 2011से सत्ता में है जबकि भारतीय जनता पार्टी 2021 के विधानसभा चुनाव में 40 फीसदी वोट लाकर 294 सदस्यीय विधानसभा में 77 सीट जीती थी। लेकिन ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस ने 48 फीसदी वोट ले कर 213 सीट जीती थी।

भारतीय जनता पार्टी का सपना रहा है कि वह अंग,बंग, और कलिंग में सरकार बनाए। उसके अंग (बिहार) कलिंग (ओडिशा) में सरकार बन गई है और अब बंग (बंगाल) की बारी है । जनसंघ यानि आज की भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल के ही थे। स्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई कहते थे कि बंगाल जितने का सपना एक दिन पूरा होगा । लालकृष्ण आडवाणी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेई , कृष्णलाल शर्मा ने एक सेमिनार में कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता है कि पश्चिमी बंगाल में सरकार बनाए। भारतीय जनता पार्टी का सपना है कि वह पैन इंडिया पार्टी बने जिसका समूचे देश में सत्ता हो । ऐसा लगता है कि भाजपा ने,80 फीसदी लक्ष पूरा कर लिया है।आज उसकी संपूर्ण हिंदी भाषा के राज्यों , पूर्वोत्तर राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा,में सरकार है।जबकि दक्षिण भारत में कर्नाटक में सरकार रह चुकी है।केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राज्य शेष है। तेलंगाना में विरोधी दल है।

अगर भारतीय जनता पार्टी बंगाल विधानसभा चुनाव में बहुमत लाती है तो वह 2029 के लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर आसानी बहुमत प्राप्त कर लेगी । क्योंकि अभी 240 जीत गई थी क्योंकि महाराष्ट्र,उत्तर, प्रदेश,बंगाल लगभग 100 सीट बढ़ा लेगी जो अकड़ा 340 सीट का होगा इसमें जेडीयू,शिवसेना, एनसीपी,का योग अलग होगा ।,

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तराखंड, असम, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

दूसरा सवाल यह है कि अगर तुड़मूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतती है तो ममता बनर्जी राष्ट्रीय क्षितिज पर भारतीय राजनीत में 2029 लोकसभा चुनाव में विपक्ष को एक जुट कर अपने नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को चुनौती पेश कर सकती है।इस घटना क्रम के बाद समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, लेफ्ट पार्टियों, बीजेडी, डीएमके, नेशनल कॉन्फ्रेंस,आप, ममता बनर्जी को नेता घोषित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को चुनौती पेश कर सकती है।यद्यपि कांग्रेस भी चाहेगी ये सभी पार्टियों उनके झंडे तले चुनाव लड़े और चुनाव तक ममता बनर्जी को भी इस इंडी गठबंधन में लिया जाय लेकिन कांग्रेस प्रधानमंत्री पद से कम पर तैयार नहीं होगी। पाश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने ममता बनर्जी को कई मुद्दों पर घेरा है।यहां तक कि राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गुंडों की संज्ञा दी जो जनता से अवैध उगाही,कट मनी मांगते हैं। ममता बनर्जी पर उन्होंने मुस्लिम ध्रुवीकरण का आरोप भी लगाया।

विपक्ष की एकता का रास्ता उत्तर प्रदेश, बिहार,से निकलेगा क्योंकि सपा नेता अखिलेश यादव, राजेडी के तेजस्वी यादव बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर उत्सुक हैं और ममता बनर्जी का साथ दे रहे हैं। बीजेडी के नेता नवीन पटनायक, दक्षिण में एम के स्टालिन,भी ममता बनर्जी के साथ है। इस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में सपा, कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव मैदान में आ सकते हैं। दूसरी ओर बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तो उत्तर प्रदेश की तैयारी भी शुरू करदी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस से बिगुल फूंकना चाहते हैं और हरदोई में594 किलो मीटर सिक्स लेन गंगा एक्सप्रेस वे का लोकार्पण भी दो दिन पहले किया है। कहने का मतलब उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव मोड में आ गई है। मप्र, राजस्थान, दिल्ली,के कार्यकर्ताओं को समानांतर जिम्मेदारी दी जाएगी।

श्यामा बाबू के संकल्प की जीत, विवेकानंद के विचारों की प्रीतिः बंगाल में राष्ट्रवाद का नया सूर्योदय

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है।

भारत भूषण अरजरिया

बंगाल केवल एक भौगोलिक भूभाग नहीं है, बल्कि यह वह विचार है जिसने आधुनिक भारत की आधारशिला रखी। आज का दिन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होने वाला है, क्योंकि यह मात्र एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उस माटी की अपनी जड़ों की ओर वापसी है, जिसने कभी 'वंदे मातरम्' के उद्घोष से पूरे आर्यावर्त को जगाया था। यह जीत उस संकल्प की सिद्धि है जो दशकों से बंगाल की गलियों में मौन था, किंतु मरा नहीं था। आज जब बंगाल में राष्ट्रवाद का भगवा ध्वज लहरा रहा है, तो ऐसा प्रतीत होता है कि गंगासागर की लहरें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उन बलिदानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हैं, जिन्होंने एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। यह उस विचारधारा की विजय है जो मानती है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही भारत की नियति है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है। उन्होंने उस समय बंगाल के विभाजन के संकट को समझा था और यह सुनिश्चित किया था कि बंगाल का एक हिस्सा भारतीय संस्कृति और अस्मिता के साथ सुरक्षित रहे। आज उनकी आत्मा निश्चित रूप से तृप्त हो रही होगी, क्योंकि जिस बंगाल को वैचारिक शून्यता और तुष्टीकरण की राजनीति ने जकड़ लिया था, उसने अब अपने सबसे प्रतापी पुत्र के सपनों को साकार करने का मार्ग चुन लिया है। यह जीत बताती है कि समय कितना भी क्यों न बदल जाए, सत्य और राष्ट्रवाद की धारा कभी सूखती नहीं है; वह बस सही समय की प्रतीक्षा करती है। बंगाल ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि वह अपनी गौरवशाली विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए तत्पर है।

इस परिवर्तन की गहराई को समझने के लिए हमें स्वामी विवेकानंद के उन संदेशों को स्मरण करना होगा, जिन्होंने विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक श्रेष्ठता को स्थापित किया था। संघ और उससे प्रेरित सभी समवैचारिक संगठनों के लिए विवेकानंद केवल एक पथ-प्रदर्शक नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा था कि ₹उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।₹ बंगाल की जनता ने आज उसी मंत्र को आत्मसात किया है। दशकों की राजनीतिक हिंसा, वैचारिक दमन और सांस्कृतिक विस्मृति के बाद, बंगाल की चेतना जागृत हुई है। यह उस 'सिंह-गर्जना' की गूंज है जिसने कभी शिकागो के मंच से दुनिया को हिला दिया था। आज विवेकानंद की उस कर्मठता और आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की विजय हुई है, जो समावेशी भी है और अजेय भी।

गंगोत्री से गंगासागर तक शुरू हुई यह संकल्प यात्रा अब अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है। जिस प्रकार गंगा नदी हिमालय की दुर्गम चोटियों को चीरते हुए मैदानों को सींचती है और अंततः बंगाल की खाड़ी में जाकर सागर से एकाकार हो जाती है, उसी प्रकार राष्ट्रवाद की यह लहर उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए आज बंगाल के हृदय में समा गई है। यह यात्रा केवल सत्ता के परिवर्तन की नहीं, बल्कि व्यवस्था के परिवर्तन और विचारों के शुद्धिकरण की यात्रा है। 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जिस भारत माता की कल्पना की थी, वह सुजलाम-सुफलाम होने के साथ-साथ शक्तिस्वरूपा भी थी। आज बंगाल ने उसी शक्ति की आराधना की है और दिखा दिया है कि माँ भारती के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

बंगाल के इस ऐतिहासिक जनादेश के पीछे उन अनगिनत कार्यकर्ताओं का लहू और पसीना है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रवाद का दीप जलाए रखा। यह उन बलिदानियों को नमन करने का दिन है जिन्होंने अपनी आँखों में 'सोनार बांग्ला' का सपना संजोया था—एक ऐसा बंगाल जो सांप्रदायिकता से मुक्त हो, जहाँ विकास की धारा अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और जहाँ दुर्गा पूजा का शंखनाद बिना किसी भय के सुनाई दे। आज की यह जीत बंगाल की उस महान परंपरा का सम्मान है जिसमें चैतन्य महाप्रभु की भक्ति, सुभाष चंद्र बोस का शौर्य और रवींद्रनाथ टैगोर की लेखनी का प्रभाव समाहित है। यह जीत घोषणा करती है कि बंगाल अब केवल पीछे मुड़कर नहीं देखेगा, बल्कि नए भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

यह ऐतिहासिक दिन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि विचारधारा की जड़ें यदि सत्य में हों, तो उसे कोई भी दमनकारी शक्ति मिटा नहीं सकती। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' और स्वामी विवेकानंद के 'मानव निर्माण' के संकल्प ने आज बंगाल की भूमि पर एक नए युग का सूत्रपात किया है। यह जीत केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनरुत्थान है। आज बंगाल मुस्कुरा रहा है, क्योंकि उसने अपनी पहचान को पुनः प्राप्त कर लिया है। 'वंदे मातरम्' का स्वर आज बंगाल के आकाश में पहले से कहीं अधिक तीव्र और स्पष्ट सुनाई दे रहा है, जो पूरे भारत को यह संदेश दे रहा है कि राष्ट्रवाद की विजय ही शाश्वत विजय है।

टिप्पणी

अपराधों से क्यों आंख मूंदे हुई हैं?

विदेश में ऊंची तनख्वाह और चमकदार करियर का झांसा देकर मोटी रकम वसूलने वाले ऐसे अनेक गिरोह सक्रिय हैं, जो बाहर लेकर युवाओं को मुसीबत में छोड़ देते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें ऐसे अपराध से क्यों आंख मूंदे हुई हैं?

सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणी उचित है कि कई भारतीयों को नौकरी या पढ़ाई का लालच देकर रूस ले जाने के बाद यूक्रेन युद्ध में लगा देने की घटनाएं मानव तस्करी मानी जाएंगी। इस रूप में रूस जाकर फंसे 26 व्यक्तियों की तरफ से दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए तीन जजों की खंडपीठ ने केंद्र से इस बारे में रिपोर्ट मांगी है। याचिका में यह मार्मिक उल्लेख है कि रूस में फंसे ये लोग अपनी इच्छा के खिलाफ एक अन्य देश की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसमें उनकी मौत हो भी सकती है। ये मामला खासा पुराना हो चुका है। केंद्र ने कई बार उन लोगों को वापस लाने का भरोसा दिया, लेकिन असल में कुछ नहीं हुआ।

यह भारत की दुर्दशा की एक मिसाल है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी मिसालों की कोई कमी नहीं है। कुछ समय पहले ऐसी आईं खबरें आईं कि भारतीय युवाओं को आईटी या कॉल सेंटर नौकरी का झांसा देकर दक्षिण-पूर्व एशिया (खासकर म्यांमार, कंबोडिया, लाओस) ले जाया गया और उन्हें ऑनलाइन साइबर अपराध करने के लिए मजबूर किया गया। ऐसे तमाम मामलों में बाहर ले जाने के बाद नौजवानों के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें कैद जैसे हाल में रखा जाता है। खाड़ी देशों में ऐसी घटनाएं बड़ी संख्या में होती रही हैं। विदेश में ऊंची तनख्वाह और चमकदार करियर का झांसा देकर मोटी रकम वसूलने वाले ऐसे अनेक गिरोह सक्रिय हैं, जो बाहर ले जाने के बाद युवाओं को मुसीबत में छोड़ देते हैं।

पिछले साल सिर्फ हरियाणा में ऐसी 33 शिकायतें दर्ज हुईं। सर्वोच्च न्यायालय की ताजा परिभाषा के मुताबिक ऐसे तमाम मामले मानव तस्करी के दायरे में आएंगे, जो एक गंभीर अपराध है। मुद्दा है कि केंद्र और राज्य सरकारें ऐसे अपराधों से क्यों आंख मूंदे हुई हैं? उन्हें अपने नौजवानों की चिंता क्यों नहीं है, जो देश में अवसरहीनता से मजबूर होकर विदेशों रोजी-रोटी तलाशने के लिए मजबूर होकर मानव तस्करों के हाथ में पड़ जाते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने अब उचित हस्तक्षेप किया है, मगर उससे सूरत बदलने की आशा न्यूनतम ही है।

ब्लॉग

खाद्य सुरक्षा से खाद्यान्नों के मामले में नेतृत्व की ओरः खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में पीएलआई योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव

श्रीअविनाश जोशी

खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की कहानी में एक निर्णायक मोड़

भारत आज अपने आर्थिक सफर के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अब जबकि हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है, विकास को सिर्फ उत्पादन की मात्रा से ही नहीं, बल्कि हमारे द्वारा सृजित मूल्य के आधार पर भी मापना होगा।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तुलना में बहुत कम क्षेत्र ही ऐसे हैं, जहां इस प्रकार का बदलाव बिल्कुल साफ नजर आता है।

भारत खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों, दूध और समुद्री उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादक देशों में से एक है। दशकों तक, हमारे कृषि संबंधी सामर्थ्य ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। फिर भी, इस उपज का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक रूप से बेहद ही सीमित मूल्यवर्धन के साथ सीधे खेत से बाजार तक पहुंचता रहा।

आज भारत के कृषि उत्पादन का महज 12-13 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्करण से गुजरता है। उत्पादन और प्रसंस्करण के बीच का यही अंतर भारतीय अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सबसे बड़े अवसरों में से एक है।

इसलिए, खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की यात्रा का अगला चरण बिल्कुल स्पष्ट हैः कृषि की प्रचुर संपदा को उच्च मूल्य वाले एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खाद्य उत्पादों में परिवर्तित करना।

पीएलआई योजना के पीछे की परिकल्पना

इस अवसर को पहचानते हुए, भारत सरकार ने मार्च 2021 में कुल 10,900 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) की शुरुआत की।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) द्वारा इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक की छह साल की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

इस योजना के पीछे का मूल विचार सरल लेकिन ठोस हैः खाद्य प्रसंस्करण क्षमता, नवाचार और वैश्विक ब्रांडिंग के विस्तार में निवेश करने वाली कंपनियों को पुरस्कृत करना। कुल मिलाकर, यह योजना इन-स्टोर ब्रांडिंग, अंतरराष्ट्रीय खुदरा श्रृंखलाओं में शेल्फ स्पेस और वैश्विक विपणन अभियानों में निवेश करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत में खाद्य उत्पादन से जुड़ी वैश्विक स्तर की कई चैंपियन कंपनियां तैयार करती है।

रणनीतिक डिजाइनः एक आधुनिक खाद्य इकोसिस्टम का निर्माण

पीएलआईएसएफपीआई योजना की संरचना को सावधानीपूर्वक को तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रखा गया है।

1. उच्च क्षमता वाले खाद्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना

पहला घटक पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत फल और सब्जियां, समुद्री उत्पाद जैसी प्रमुख खाद्य श्रेणियों में उत्पादन बढ़ाने पर केन्द्रित है।

ये श्रेणियां वैसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत घरेलू खपत और निर्यात क्षमता, दोनों में तेजी से विस्तार कर सकता है।

1. नवाचार और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को प्रोत्साहन देना

दूसरा घटक एमएसएमई द्वारा विकसित नवोन्मेषी और जैविक खाद्य उत्पादों को समर्थन प्रदान करता है। लघु एवं मध्यम उद्यम भारत के खाद्य क्षेत्र की रीढ़ हैं और समावेशी विकास हेतु आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ उनका जुड़ाव बेहद जरूरी है।

पोषक अनाज (मिलेट) से संबंधित नवाचारः परंपरा को आधुनिक बाजारों से जोड़ना

वर्ष 2023 में, अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष के उपलक्ष्य में, मंत्रालय ने पीएलआई योजना के तहत एक विशेष पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पादों में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

मिलेट्स जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी, अत्यधिक पौष्टिक और भारत की कृषि परंपराओं में गहराई से जुड़े हुए हैं।

आधुनिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में मिलेट्स का समावेश करके, यह योजना पोषण संबंधी सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी कृषि को एक साथ बढ़ावा देती है।

बदलाव से जुड़े आंकड़े

पीएलआई योजना के तहत बहुत ही कम समय में हासिल की गई प्रगति उद्योग जगत की ओर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और इस नीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

अब तकः

इस योजना के तहत 165 कंपनियों को मंजूरी दी गई है।

इनमें से 68 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं, साथ ही बड़ी कंपनियों के 40 संविदा निर्माता भी शामिल हैं।

कुल मिलाकर 9,207 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

प्रति वर्ष लगभग 35 लाख मीट्रिक टन की नई प्रसंस्करण और संरक्षण संबंधी क्षमता सृजित की गई है।

इस योजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3.29 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

ध्यान रखने लायक बात यह है कि इस योजना का मूल लक्ष्य 25 लाख रोजगार सृजित करना था। इस क्षेत्र ने पहले ही इस लक्ष्य का 131 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है।

पीएलआई समर्थित कंपनियों द्वारा प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों की बिक्री में भी 2019-20 से 13.23 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

(निर्यात में वृद्धि दर 2019-20 से 7.41 प्रतिशत की है)

विभिन्न पीएलआई योजनाओं के बीच एक चमकता सितारा

उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भारतीय अर्थव्यवस्था के 14 क्षेत्रों को कवर करती है। इनमें से, खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित पीएलआई सबसे प्रभावशाली योजनाओं में से एक बनकर उभरी है।

कुल पीएलआई सब्सिडी वितरण में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का हिस्सा मात्र 8 से 9 प्रतिशत ही होने के बावजूद, इसने तमाम पीएलआई योजनाओं के तहत सृजित किए गए कुल रोजगारों में से लगभग 42 प्रतिशत रोजगार सृजित किए हैं।

अब तक, इस योजना के तहत कुल 2715 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की जा चुकी है। यह कुल परिव्यय का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा है।

यह साबित करता है कि खाद्य प्रसंस्करण भारत के मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम में सबसे अधिक रोजगार सृजित करने वाले क्षेत्रों में से एक है।

उपभोक्ताओं की बदलती जीवनशैली के अनुरूप बदलाव

भारत के जनसांख्यिकीय परिवर्तन का असर खाद्य उद्योग पर भी पड़ रहा है।

युवा और शहरीकरण की ओर अग्रसर आबादी की बढ़ती मांगें इस प्रकार हैंः

खाद्य संबंधी सुविधाजनक उपाय

स्वच्छ पैकेजिंग

सुरक्षित और पौष्टिक खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पाद

बेंगलुरु, मुंबई या दिल्ली जैसे शहरों में काम करने वाले पेशेवर अक्सर पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) या खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) वैसे गुणवत्तापूर्ण भोजन की तलाश में रहते हैं जो उनकी तेज रफ्तार जीवनशैली के अनुरूप हो।

खाद्य सुरक्षा से खाद्य नेतृत्व की ओर

भारत की प्रचुर कृषि संपदा इसकी सबसे बड़ी ताकत है। हमारे सामने इस प्रचुर संपदा को सतत आर्थिक मूल्य में बदलने की चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना इस बदलाव को गति देने में सहायक साबित हो रही है और खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर खाद्यानों के मामले में नेतृत्व का सपना शीघ्र ही साकार होने वाला है।

लेखक आईएएस अधिकारी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव हैं

'तू लालची है', रिटायर्ड दरोगा की पत्नी के इन शब्द पर भड़का 'PCS अफसर बेटा', मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली के सुभाषनगर इलाके में सेवानिवृत्त दरोगा गजराज सिंह की बुजुर्ग पत्नी शारदा यादव की हत्या करने वाले मुंहबोले बेटे नगर निगम टैक्स विभाग के संविदाकर्मी वरुण पाराशरी को कोर्ट ने जेल भेज दिया। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने शारदा यादव का भरोसा जीत लिया था, लेकिन वह उसे जायदाद नहीं दे रही थीं। उसने उन्हें बहाने से बुलाया। कार में बातचीत के दौरान जब शारदा ने उसे लालची कहा तो उसने उनकी हत्या कर दी।

सुभाषनगर थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन ने बताया कि आरोपी संविदा कर्मी वरुण पाराशरी ने जुर्म कबूल लिया। उसने बताया कि उसकी सेवा से खुश होकर शारदा उसे बेटा मानती थीं और उसके नाम सात बीघा जमीन करने की बात कहती थीं।

दो मई को वरुण ने शारदा को फोन करके मंदिर जाने के बहाने बुलाया। उन्हें लेकर वह कार से मंदिर की ओर बढ़ा। फिर जमीन अपने नाम करने के लिए कहा। शारदा ने उसे लालची कहा और साफ इन्कार कर दिया। कहा कि उनके तीन बेटे हैं, वह किसी और को संपत्ति कैसे दे सकती हैं। गुस्साए वरुण ने पाने से हमला कर बेहोश कर दिया। इसके बाद शारदा का मुंह व नाक बंद कर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। रातभर कार में शव रखकर वरुण घूमता रहा। तीन मई की सुबह शव पीलीभीत जिले के जहानाबाद इलाके में कुकरी गांव के पास झाड़ियों में फेंक दिया था।

आरोपी ने जमीन के लालच में हत्या की बात स्वीकार की है। वृद्धा की चेन भी उसके घर से बरामद की गई है। वरुण का पिता संजय पाराशरी भी योजना में शामिल था, उसकी भी तलाश की जा रही है।

- मानुष पारीक, एसपी सिटी

अंगूठे पर लगी थी स्याही

मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के दौरान शारदा यादव के परिवार के कई लोगों ने अंदर जाकर टीम से बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें शव के अंगूठे की फोटो चाहिए। उन्हें पक्का पता है कि आरोपी कागजात लेकर पूरी योजना के साथ कार में बैठा था।

उसने मारने से पहले शारदा यादव से अंगूठा लगवा लिया है। टीम के सदस्यों ने जब इस बात पर गौर किया तो बात में दम निकला। शारदा के एक हाथ के अंगूठे पर नीली स्याही लगी थी। टीम ने फोटो करके परिजनों को दे दिया।

वरुण के घर से बरामद की चेन

पुलिस को वरुण ने बताया कि उसने शारदा की हत्या कैंट में स्टेशन के पास सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के बोर्ड के पास कार में की थी। पुलिस ने मंगलवार को फिर वरुण को साथ लेकर उसके घर से घटना के समय पहने कपड़े व मृतका की सोने की चेन बरामद की।

मृतका के कान का एक कुंडल और एक पायल अब भी नहीं मिल सकी है। वरुण को पता चला कि शारदा के नाम करीब 80 बीघा खेती की जमीन और स्कूल है। वरुण ने अपने पिता संजय पाराशरी से भी इस बारे में बात कर जमीन अपने नाम कराने की योजना बनाई थी।

पति बोले- खुद को पीसीएस अधिकारी बताता था वरुण

गजराज सिंह ने बताया कि वह एक स्कूल भी संचालित करते हैं। उसका हाउस टैक्स करीब 70 हजार रुपये आ गया था। इसे कम कराने के लिए वह और पत्नी शारदा प्रयास कर रहे थे। वरुण ने उनकी महानगर निवासी समधिन के घर का टैक्स कम कराने में मदद की थी। उन्हीं के साथ वह पिछली साल पहली बार उनके घर आया था। वहां उसने खुद को पीसीएस अधिकारी के तौर पर नगर निगम का कर निरीक्षक बताया। कहा कि उसका आईएएस में भी सलेक्शन होने जा रहा है। तभी से वह उनकी पत्नी को मां कहकर संबोधित करने लगा।

गायब मासूम लाष दूसरे दिन कुंये में मिली

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के गारोपुर गांव में मंगलवार सुबह लापता मासूम का शव घर से करीब 50 मीटर दूर एक जर्जर कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। मासूम के गायब होने की परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताते है कि चार वर्षीय आदिल पुत्र रफीक मंगलवार को घर के पास खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद परिजनों ने 5 मई को थाना बरसठी में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और गांव में करीब 5 घंटे तक हर संभावित स्थान पर बच्चे की तलाश की, लेकिन देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार की सुबह करीब घर से कुछ दूरी पर स्थित एक पुराने कुएं में ग्रामीणों ने देखा तो बच्चे का शव पानी में उतराया हुआ मिला। यह खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।आदिल के परिवार में दो भाई और एक बहन हैं, जबकि उसके पिता रफीक सऊदी अरब में नौकरी करते हैं।

पीपा पुल को पहुंच मार्ग साबित हो रहा खतरनाक

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर के मोहल्ला तूतीपुर में गोमती नदी पर बने पीपा पुल से आवागमन को आसान जरूर किया है, लेकिन इसका पहुंच मार्ग अब लोगों के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घाट की ओर जाने वाली सड़क की ढलान दुर्घटना का कारण बन सकती है।तूतीपुर मंदिर के पास से घाट की ओर जाने वाले रास्ते का ढाल इतना अधिक है कि दोपहिया वाहन चालकों को संतुलन बनाना मुश्किल हो जाता है। उतरते समय ब्रेक फेल होने और चढ़ते समय वाहन के पलटने का खतरा बना रहता है। पैदल चलने वाले बुजुर्ग और महिलाएं भी इस रास्ते से गुजरने में असहज महसूस कर रही हैं। निवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण में मानकों का सही पालन नहीं किया गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द सुधार की मांग की है, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

लोगों के अनुसार, पुल का उद्घाटन होने के बावजूद पहुंच मार्ग की स्थिति पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। लोगों का कहना है कि जल्दबाजी में कार्य पूरा किया गया, जिससे सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर असर पड़ा। रात के समय यह मार्ग और अधिक खतरनाक हो जाता है। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ढलान को सुरक्षित बनाया जाए और आवश्यक सुधार कार्य जल्द कराए जाएं, ताकि राहगीरों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

मासूम से दरिंदगी कर हत्या का मामला, 50 हजार का इनामी मुठभेड़ में ढेर, एसओजी प्रभारी भी घायल

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। हरदोई जिले में उर्स का मेला देखने गए मासूम की अपहरण कर हत्या किए जाने के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। मृतक पर 50,000 रुपये का इनाम भी घोषित था। मुठभेड़ के दौरान एसओजी प्रभारी भी गोली लगने से घायल हुए हैं। बीते शुक्रवार को मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में उर्स का मेला देखने गए आठ साल के मासूम का अपहरण हो गया था।

पिता की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया था। मंगलवार को मासूम का शव गांव के पास ही मक्के के खेत में मिट्टी में गड़ा बरामद हुआ था। मामले की जांच के दौरान पता चला था कि कन्नौज जनपद के ठठिया निवासी मेनूर उर्फ सेनूर का नाम सामने आया था। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि बुधवार तड़के बाबटमऊ के पास पुलिस मुठभेड़ के दौरान मैनूर

सीने में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया।

एसओजी प्रभारी भी गोली लगने से घायल

उपचार के लिए उसे सीएचसी से मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं। उस पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी के पास से एक पिस्टल, एक तमंचा, एक खोखा, एक कारतूस और बाइक बरामद हुई है। घटना में एसओजी प्रभारी राजेश यादव भी गोली लगने से घायल हुए हैं।

नये डीएम से मिला संयुक्त परिषद का प्रतिनिधिमंडल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन से राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधि मंडल बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में डॉ0 प्रदीप सिंह अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, एवं प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट के क्रम में मिला। प्रतिनिधि मंडल में शामिल पंचायती राज, ग्राम्य विकास, कृषि, स्वास्थ्य, आईटीआई, आंगनबाड़ी, नलकूप, राज्य कर, कोषागार, होम्योपैथी, एआरटीओ आदि विभिन्न विभागों के कर्मचारी प्रतिनिधियों द्वारा जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जिलाधिकारी जौनपुर ने सभी विभागों के कर्मचारी प्रतिनिधियों का परिचय प्राप्त करते धन्यवाद ज्ञापित किया। जिलाधिकारी जौनपुर ने उपस्थित कर्मचारी प्रतिनिधिमंडल से कहा कि आप लोग शासन की प्राथमिकता वाली विकास योजनाओं को पूरी पारदर्शिता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ गति दें जिससे जनपद के चतुर्दिक विकास को और बल मिल सके।प्रतिनिधि मंडल में ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ फूलचंद कनौजिया, जिला मंत्री रामकृष्ण पाल, प्रांतीय प्रतिनिधि दुर्गेश तिवारी, संरक्षक कृष्ण कुमार मिश्र,अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र यादव एवं मंत्री सकल नारायण पटेल, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, आंगनबाड़ी संघ की जिला अध्यक्ष सरिता सिंह, आईटीआई संघ के जिला अध्यक्ष देवेश यादव, नलकूप संघ के जिला अध्यक्ष अभय सिंह एवं मंत्री सुरेश गौतम,राज्य कर विभाग के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, अजय यादव, सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अमर बहादुर यादव, शिव हरि सिंह, रामलाल पाल, कुलदीप यादव, अजय मौर्या, अजय राजभर, दिनेश कुमार यादव, अरुण यादव आदि शामिल रहे।

धर्मांतरण केस में नया अपडेट : दिल्ली के डॉक्टर के यहां है फंडिंग रिकॉर्ड, शाहीन बाग में छिपे हैं अन्य दस्तावेज

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा धर्मांतरण केस में बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी परवेज अख्तर ने बताया कि मौलाना कलीम सिद्दीकी के दामाद के दवा सेंटर में धर्मांतरण संबंधी लेन-देन के रजिस्टर हैं। उसने पुलिस से पकड़े जाने के डर से शाहीन बाग में रजिस्टर छिपाकर रख दिए, जिसे बरामद करा सकता है। आरोपी तलमीज उर रहमान ने बताया कि कुछ टिकट और पैसों की फंडिंग का रिकॉर्ड दिल्ली के डॉ. आदिल बाटला हाउस स्थित एक परिचित के यहां पर रखा है।

इसी तरह जतिन कपूर ने बताया कि वह टैबलेट पर आर्थिक मदद का हिसाब रखता था। रकम लेन व देने की जानकारी एक्सेल फाइल बनाकर रखते थे। इससे कोई भी रकम लेने के बाद हेर-फेर नहीं कर सकता है। वह

पाकिस्तान में बैठे गिरोह के सदस्यों से भी बात करता है। उनके नंबर भी हैं।

हसन मोहम्मद से पूछताछ में सामने आया कि अब्दुल रहमान गिरोह में मौलाना कलीम सिद्दीकी का दामाद है। उसने धर्मांतरण के संबंध में कई राज्यों के साथ कश्मीर तक में नेटवर्क फैला रखा है। कई सदस्य हैं। इनको अलग-अलग काम मिलता था। इन लोगों के मोबाइल नंबर एक रजिस्टर में अपने रिश्तेदार के यहां भरतपुर में छिपाकर रखे हैं, जिसे बरामद किया जा सकता है।

डीसीपी क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल में दाखिल कर दिया है। अभी और पूछताछ की जानी है। गिरोह को फंडिंग करने वाले और कितने लोग हैं, इसका पता किया जाएगा। इसके लिए कोर्ट में बुधवार को प्रार्थनापत्र देकर कम से कम 7 दिन की रिमांड मांगी जाएगी। अब तक की पूछताछ में 5-6 लोगों के नाम सामने आए हैं। इन लोगों के बारे में पुलिस टीम जानकारी जुटाएगी।

मुठभेड़ में हत्या के प्रयास का बदमाश गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में हत्या के प्रयास सहित कई मामलों में वांछित एक अपराधी घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से तमंचा, कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार सरायख्वाजा पुलिस टीम मल्हनी-कोइरिडीहा मार्ग पर नहर पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कोइरिडीहा की ओर से मल्हनी रोड की तरफ एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे नहर पटरी मार्ग की ओर तेजी से भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। कुछ दूरी पर दूसरी पुलिया से बाएं मुड़ने के प्रयास में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे दोनों बदमाश गिर पड़े। बदमाशों ने पुलिया की आड़ लेकर पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा ने भी जवाबी फायरिंग की।फायरिंग बंद होने के बाद पुलिस ने आगे बढ़कर देखा। पुलिया के बाईं ओर एक संदिग्ध व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा मिला, जबकि दूसरा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान कृष्णा यादव उर्फ गोलू उर्फ गोलई यादव पुत्र संजय यादव, निवासी छबिलेपुर, थाना सरायख्वाजा के रूप में हुई। घायल बदमाश के पास से एक 315 बोर का देशी तमंचा बरामद हुआ, जिसमें एक खोखा कारतूस फंसा था। पूछताछ में कृष्णा यादव ने बताया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर लूट, छिनैती और सुपारी लेकर अपराध करता है।उसने अपने फरार साथी का नाम विकास बताया, जो सरायख्वाजा क्षेत्र का निवासी है।

नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान की तैयारी तेज, मुंबई के लिए 10 मई से बुकिंग संभव, ट्रायल भी शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। लंबे समय से जिस एयरपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था, वह अब जल्द ही यात्रियों के लिए खुलने वाला है। शुरुआती योजना के तहत यहां से पहली उड़ान मुंबई के लिए शुरू की जा सकती है, जिससे नोएडा और देश की आर्थिक राजधानी के बीच सीधी कनेक्टिविटी स्थापित होगी। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

सूत्रों के मुताबिक, इस एयरपोर्ट से पहली उड़ान के संचालन के लिए इंडिगो एयरलाइन को लॉन्च कैरियर के रूप में चुना गया है। संभावना जताई जा रही है कि 10 मई से टिकट बुकिंग की प्रक्रिया शुरू हो सकती है,

जिससे यात्री पहले से अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे। यह कदम एयरपोर्ट संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

एयरपोर्ट पर सॉफ्ट ट्रायल भी शुरू

एयरपोर्ट प्रशासन ने 15 जून से नियमित उड़ान संचालन शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को समय पर हासिल करने के लिए एयरपोर्ट पर सॉफ्ट ट्रायल भी शुरू कर दिए गए हैं। इन ट्रायल्स के माध्यम से सभी तकनीकी और संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है, ताकि वास्तविक संचालन के समय किसी भी तरह की दिक्कत न आए। यात्रियों के आगमन से पहले हर सिस्टम को पूरी तरह दुरुस्त करने पर जोर दिया जा रहा है।

इसके साथ ही एयरपोर्ट पर तैनात स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे यात्रियों को बेहतर सेवाएं दे सकें। एयरपोर्ट से जुड़े वेंडर्स और उनके कर्मचारियों को भी एंट्री पास जारी किए जा रहे हैं, जिससे सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुचारू रूप से संचालित हो सकें। प्रशासन का उद्देश्य है कि एयरपोर्ट के शुरू होने से पहले हर छोटी-बड़ी प्रक्रिया को परखा और सुधार लिया जाए।

इन शहरों के लिए मिलेंगी फ्लाइट

मुंबई के अलावा अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। इनमें बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, गोवा, जयपुर, लखनऊ और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इसके लिए अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी एयरलाइंस भी अपनी तैयारियों में जुटी हुई हैं। अधिकारियों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों को बड़ा फायदा मिलेगा। इससे न केवल यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि व्यापार, निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

लोक अदालत को लेकर जिला जज ने की बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सिविल जज सीडि/सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लम्बित सभी प्रकार के सुलह-समझौते योग्य प्रकरणों के निस्तारण हेतु जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि की अध्यक्षता में न्यायिक अधिकारियों की बैठक की गयी। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के माध्यम से अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के बावत जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों द्वारा किये गये प्रयासों एवं तैयारियों का जायजा लिया। न्यायिक अधिकारीध्मजिस्ट्रेट जिस किसी को भी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित किये जा सकने एवं प्रभावी

कार्यवाही किये जाने में कोई कठिनाई आ रही हो तो उसका निराकरण करावें, जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत में लम्बित मामलों के निस्तारण की संख्या बढ़ाई जा सके। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन (वाद-पूर्व) स्तर पर पारिवारिकध्दाम्पत्य विवाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जल बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), भरण-पोषण वाद तथा अन्य प्रकार के आपराधिक शमनीय व सिविल वाद तथा न्यायालयों में लम्बित आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जलकर बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित) वैवाहिक प्रीलिटिगेशन के मामलें, पारिवारिक वाद (विवाह विच्छेद सम्बन्धित वादों को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण वाद, सेवा में वेतन, भत्तों एवं सेवानिवृत्ति परिलाभां से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित होने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। जिला जज द्वारा वादकारियों एवं अधिवक्ता गण से अपील की गयी कि अपने-अपने वादों से सम्बन्धित न्यायालयों में सम्पर्क स्थापित कर वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित करायें एवं अधिकतम वादों का निस्तारण कराकर लोक अदालत का लाभ उठायें।

पहली बार करने जा रहे हैं योग, तो पहले जान लें एक्सपर्ट की बताई ये बातें

कई लोग नए साल की शुरुआत में फिट रहने के लिए न्यू ईयर रेजोल्यूशन लेते हैं। इसके लिए कई लोग जिम ज्वाइन करने के बारे में सोचते है, तो वहीं कई लोग घर पर ही योग करने के बारे में विचार करते हैं। योग करने से शरीर में लचीलापन आता है साथ ही ये हमारी मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होता है।

योग की शुरुआत के दौरान हर व्यक्ति को बहुत सी बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान की गई एक गलती के कारण आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप भी इस साल योगासन की शुरुआत तो आप इन बातों का जरूर ध्यान में रखें।

खाली पेट

योगा एक्सपर्ट डॉक्टर संपूर्णा ने बताया कि योग खाली पेट करना चाहिए। इसके लिए आपको योग करने से आधे घंटे पहले पानी पिएं या फिर पेट खाली करने के लिए फ्रेश हों। अगर आप सुबह-सुबह योग नहीं करते हैं तो ध्यान रखें कि खाना खाने के कम से कम 3 घंटे बाद योग करें। अगर ब्रेकफास्ट के बाद अगर योग का अभ्यास कर रहे हैं तो कम से कम 2 घंटे का गैप होना जरूरी है।

योगा मैट

योग करने के बाद आपको मैट का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि अगर योग मैट कंफर्टेबल न हो तो इसके कारण योग करने में परेशानी हो सकती है। फिसलने वाला मैट नहीं होना चाहिए। क्योंकि इससे योग के दौरान फिसलने से चोट लग सकती है। वहीं मैट की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें।

कपड़ों का चयन

योग के लिए सही कपड़ों का चयन करना बहुत जरूरी है। इसके लिए कंफर्टेबल कपड़ों का चयन करें, खासकर इनर वियर जिससे आपको असहज महसूस न हो और आप सांस सही से ले पाएं। साथ ही मौसम का अनुसार भी ऐसे कपड़े चुने जिससे आप आसानी से योगासन कर सकते हैं।

सही योगासन

योगासन करते समय सही पोस्चर और सही ब्रीदिंग तकनीक का ध्यान रखें। ये सबसे ज्यादा जरूरी है। योग की तकनीक अगर गलत हुई तो इससे आपको फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। कौन-सा योगासन कैसे करना है इस बात की जानकारी होना बहुत जरूरी है। साथ ही अगर शरीर में दर्द या बीमारी से राहत पाने के लिए योग कर रहे हैं तो एक्सपर्ट से बात कर सही योगासन करें क्योंकि गलत योगासन का चयन करने से समस्या ज्यादा बढ़ सकती है। योग की शुरुआत अगर एक्सपर्ट की निगरानी में की जाए तो ये ज्यादा फायदेमंद होता है।

खुली हवा

एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप योग खुली हवा यानी की फ्रेश एयर में करेंगे तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। इससे बॉडी को सही ऑक्सीजन मिलेगा। लेकिन अगर प्रदूषण का स्तर ज्यादा है तो ऐसे में घर पर ही योग करना चाहिए।

घर की इन चीजों से करें नेल आर्ट, सैलून की नहीं पड़ेगी जरूरत

नेल आर्ट आज कल काफी ट्रेंड में है। महिलाएं इसके लिए खूब पैसे बहाती हैं और सैलून में घंटे बिताती हैं। लेकिन आप बिना सैलून जाएं घर पर भी नेल आर्ट कर सकती हैं। इसके लिए आपको बस घर में पड़ी कुछ चीजों का इस्तेमाल करना है।

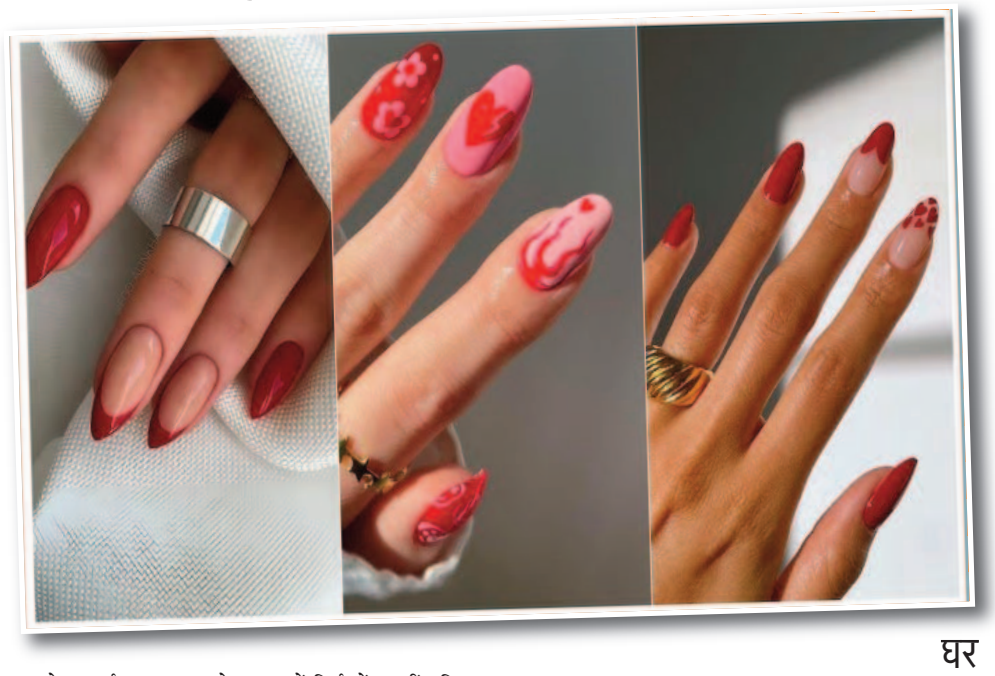

नेल आर्ट करना आज के समय में सिर्फ ट्रेंड नहीं बल्कि सेल्फ-केयर का हिस्सा भी बन गया है। खूबसूरत और क्रिएटिव नेल डिजाइन हर किसी को पसंद आते हैं, लेकिन हर बार सैलून जाकर नेल आर्ट करवाना महंगा और समय लेने वाला हो सकता है। अच्छी बात ये है कि आप घर पर ही आसानी से शानदार नेल आर्ट कर सकती हैं, वह भी किचन और घर में मौजूद चीजों का इस्तेमाल करके। घर पर नेल आर्ट करने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि आप अपने कंफर्ट के हिसाब से इसे एक्सप्लोर कर सकती हैं और अपनी पसंद के अनुसार डिजाइन्स बना सकती हैं।

इसके लिए आपको महंगे टूल्स या प्रोडक्ट्स की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। बस थोड़ी क्रिएटिविटी और पेशेंस के साथ आप खुद ही अपने नेल्स को खूबसूरत बना सकती हैं। नेल आर्ट करना न केवल मजेदार है, बल्कि ये आपकी क्रिएटिविटी को भी निखारता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजें बता रहे हैं जिनके इस्तेमाल से आप घर पर नेल आर्ट कर सकती हैं।

घर पर नेल आर्ट करने के लिए इस्तेमाल करें ये आसान चीजें

टूथपिक या सेफ्टी पिन

नेल आर्ट के लिए आप टूथपिक या सेफ्टी पिन का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये एक बहुत ही आसान और मजेदार तरीका है। आपको बस पहले अपने नेल पर अपनी फेवरेट नेल पेंट लग लेनी हैं और फिर टूथपिक या सेफ्टी पिन की मदद से छोटी-छोटी डॉट्स या कोई भी डिजाइन बनानी है। आप टूथपिक या सेफ्टी पिन को नेल पॉलिश में डिप करके पोल्का डॉट्स या फ्लोरल डिज़ाइन बना सकती हैं।

स्पंज

स्पंज भी नेल आर्ट करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप अपने नेल्स पर ग्रेडिएंट या ओम्ब्रे इफेक्ट देना चाहती हैं तो इसका यूज कर सकती हैं। इसके लिए आपको बस स्पंज पर नेल पॉलिश लगाकर इसे नेल्स पर हल्के-हल्के से टैप करना है। इसका रिजल्ट एक दम सैलून जैसा मिलेगा।

टेप

आजकल स्ट्राइप्स और ज्योमैट्रिक डिजाइन काफी पसंद किए जा रहे हैं। इन्हें बनाना भी बिल्कुल आसान है। इसके लिए आप टेप का इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको बस सबसे पहले अपने नेल्स पर अपनी पसंदीदा नेल पॉलिश लगानी है और फिर इस पर टेप लगा देना है। इसके बाद फिर से दूसरे कलर की नेल पॉलिश लगा लेनी है। सूखने के बाद टेप को हटा दें और सैलून जैसी फिनिश पाएं।

बॉबी पिन

बॉबी पिन सिर्फ हेयरस्टाइल ही नहीं बल्कि नेल आर्ट के लिए भी यूज़ कर सकते हैं। आप बॉबी पिन के राउंड एंड से बड़े डॉट्स या सरकल्स बना सकती हैं। पहले आपको नेल पॉलिश लगा लेनी हैं और फिर इसकी मदद से डॉट या अपनी फेवरेट डिज़ाइन बना सकती हैं। आप चाहें तो नेल पॉलिश लगाने के बाद इस पर ग्लिटर पर छिड़क सकती हैं।

सिर्फ हेल्थ ही नहीं ब्यूटी के लिए भी फायदेमंद है टी बैग, इन अनोखे तरीके से करें यूज

अगर आपको पफी आंखों, डल स्किन या डैंड्रफ जैसी समस्याएं परेशान कर रही हैं, तो टी बैग्स के इन अनोखे इस्तेमाल को अपनाएं। इससे न केवल आपकी सुंदरता निखरेगी, बल्कि आपको महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर खर्च भी नहीं करना पड़ेगा।

टी बैग्स का इस्तेमाल आमतौर पर चाय बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये छोटे से टी बैग्स न केवल आपकी सेहत के लिए बल्कि आपकी खूबसूरती के लिए भी वरदान साबित हो सकते हैं? टी बैग्स में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण आपकी त्वचा और बालों को निखारने में मदद कर सकते हैं।

आजकल ब्यूटी को बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, लेकिन ये बहुत महंगे होते हैं। हर कोई इन्हें अफोर्ड नहीं कर सकता है। कुछ लोगों के पास तो समय की कमी भी होती है जिसकी वजह से वो सैलून नहीं जा पाते। ऐसे में, घर पर मौजूद टी बैग्स को अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल करके आप अपनी स्किन और हेयर केयर की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। ये न सिर्फ नेचुरल होते हैं, बल्कि बेहद किफायती और असरदार भी हैं।

1- पफी आंखों के लिए टी बैग

आप पफी आंखों को राहत देने के लिए टी बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको बस यूज किए हुए टी बैग्स को फ्रिज में ठंडा करने के लिए रख देना है। इसके बाद इन्हें आंखों पर 10-15 मिनट के लिए रखना है। ये सूजन को कम करता है और थकी आंखों को राहत देने में मदद करेगा।

2- डल स्किन को रिफ्रेश करें

डल स्किन को रिफ्रेश करने में भी टी बैग्स काफी फायदेमंद है। टी बैग्स के अंदर मौजूद चाय को चेहरे पर हल्के मसाज के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे त्वचा को नेचुरल ग्लो मिलता है। साथ ही डल स्किन काफी रिफ्रेशिंग फील होगी।

3- सनबर्न के लिए राहत

अक्सर कुछ लोगों को धूप के कारण सनबर्न की प्रॉब्लम हो जाती है। ऐसे में ग्रीन टी बैग्स इसे राहत देने में काम आएगा। आपको बस ग्रीन टी बैग्स को ठंडा करके सनबर्न वाली जगह पर लगाना है। ये त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और जलन कम करता है।

4- बालों की देखभाल

अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण आज कल ज्यादातर लोगों के बाल काफी रूखे और बेजान हो गए हैं, ऐसे में उन्हें शाइनी और सॉफ्ट बनाने के लिए टी बैग्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको बस टी बैग्स से बनी चाय को ठंडा कर आखिरी बार बाल धोने में इस्तेमाल करना है। ये बालों को चमकदार और मजबूत बनाता है।

5- मुहांसों और दाग-धब्बों के लिए

चेहरे पर मुंहासे और दाग- धब्बे किसी को अच्छे नहीं लगते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए ग्रीन टी बैग्स को यूज कर सकते हैं ये काफी फायदेमंद है। आप को बस इस्तेमाल किए गए ग्रीन टी बैग को मुहांसों पर लगाना है। ये एंटीबैक्टीरियल गुणों की मदद से दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है।

ब्लैक कॉफी में मिलाएं ये 4 मसाले, वजन कम करने में मिलेगी मदद

वजन घटाने के लिए डाइट और एक्सरसाइज के साथ-साथ कुछ छोटे बदलाव भी बड़ा असर डाल सकते हैं। ब्लैक कॉफी में कुछ खास किचन मसाले मिला दिए जाएं तो इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। ब्लैक कॉफी में मौजूद कैफीन आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। लेकिन अगर आप इसे रोजाना पीने के साथ किचन में मौजूद कुछ मसालों को शामिल कर लें, तो ये आपके वेट लॉस जर्नी को और भी आसान बना सकता है।

इन मसालों में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो न केवल वजन कम करने में मदद करते हैं, बल्कि आपकी इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाते हैं। तो अगर आप वजन घटाने की कोशिश में हैं और नेचुरल तरीके अपनाना चाहते हैं, तो इन मसालों को अपनी ब्लैक कॉफी में मिलाएं। ये न केवल आपके स्वाद को बदल देगें, बल्कि आपके शरीर के लिए भी फायदेमंद होगा।

ब्लैक कॉफी में मिलाने वाले 4 असरदार मसाले

दालचीनी

ब्लैक कॉफी में दालचीनी मिलाकर पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। दालचीनी में मौजूद पोषण तत्व मेटाबॉलिज्म को तेज करने में हेल्प करते हैं और शरीर में फैट को बर्न करने में हेल्पफुल होते हैं। इसलिए अब जब भी ब्लैक कॉफी पिएं तो उसमें में एक चुटकी दालचीनी पाउडर मिला लें।

अदरक

वजन कम करने में अदरक भी काफी फायदेमंद होता है। सर्दियों में वैसे ही कई लोग अदरक का सेवन ज्यादा करते हैं। अदरक शरीर की कई परेशानियों को ठीक करने में कारगर है, जिसमें वजन कम करना भी शामिल है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो पेट की चर्बी को कम करने में मदद करते हैं। आप अपनी ब्लैक कॉफी में थोड़ा सा ताजा अदरक कद्दूकस कर मिलाकर पिएं।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो वजन घटाने के साथ-साथ इम्यूनिटी भी बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप जल्दी अपना वजन कम करना चाहते हैं तो अपनी ब्लैक कॉफी में हल्दी का इस्तेमाल शुरू कर दें। बस आपको ब्लैक कॉफी में एक चुटकी हल्दी पाउडर डाल कर पीनी है।

काली मिर्च

काली मिर्च भी वजन कम करने में असरदार है। काली मिर्च में पाइपिन होता है, जो फैट को बर्न करने में सहायक होता है। इसलिए वेट लॉस करने के लिए अपनी कॉफी में थोड़ा सा काली मिर्च पाउडर डालें और रोज सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। असर आपको बहुत जल्द मिलेगा।

कैसे करें इस्तेमाल

सुबह खाली पेट ब्लैक कॉफी में इन मसालों को मिलाकर पीना है। हो सके तो इसे दिन में 1-2 बार पीने से वजन कम करने में तेजी जल्दी असर देखने को मिले। याद रहें कि शुगर और क्रीम का इस्तेमाल न करें, ताकि इसके फायदे बने रहें।

व्हाट्सऐप में आई गड़बड़ को लेकर सिक्योरिटी अलर्ट जारी, तुरंत कर लें ये काम

मेटा ने व्हाट्सऐप यूजर्स के लिए सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि प्लेटफॉर्म में दो बड़ी खामियां मिली थीं, जिन्हें दूर कर लिया गया है।

अगर आप व्हाट्सऐप यूज करते हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, मेटा ने अपने इस प्लेटफॉर्म को लेकर सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। कंपनी के बग बाउंटी प्रोग्राम के तहत इसमें दो बड़ी खामियों का पता लगाया गया था। अब इन खामियों को दूर कर लिया गया है। फिर भी यूजर्स को ऐप अपडेट करने के लिए कहा गया है। बता दें कि इन दोनों खामियों के जरिए यूजर के डिवाइस को टारगेट किया जा सकता था। आइए जानते हैं कि ये खामियां कितनी खतरनाक थीं और यूजर्स को अब क्या करने की जरूरत है।

मैसेजिंग प्लेटफॉर्म में पाई गई पहली खामी CVE-2026-23863 से विंडोज सिस्टम पर चलने वाली व्हाट्सऐप को टारगेट किया जा सकता था। इसमें एक अटैचमेंट स्पूफिंग इश्यू पाया गया था, जिससे मलेशियस फाइल किसी नॉर्मल डॉक्यूमेंट के समान लगती, लेकिन इसे ओपन करने पर यह अपना काम कर सकती थी। इससे यूजर मिसलीड होकर किसी हार्मफुल फाइल को ओपन कर सकते थे। दूसरी खामी CVE-2026-23866 थी, जो व्हाट्सऐप के एंड्रॉयड और iOS वर्जन को इंपैक्ट कर रही थी। इसका फायदा उठाकर अटैकर किसी यूजर के फोन पर एक्सटर्नल सोर्स से कंटेट लोड कर सकते थे। इन दोनों को मध्यम स्तर की खामियां माना गया था और व्हाट्सऐप ने इन्हें दूर करने के लिए सिक्योरिटी पैच जारी कर दिया है।

कंपनी ने कही यह बात

मेटा ने बताया कि इन दोनों खामियों को बग बाउंटी प्रोग्राम के जरिए डिस्कवर किया गया था। इस प्रोग्राम में कंपनी बग ढूंढने पर प्राइज देती है। साथ ही कंपनी ने जानकारी दी कि इन खामियों के जरिए कोई अटैक नहीं किया जा सका था। अब भले ही इन खामियों को दूर कर दिया गया है, लेकिन यह दिखाता है कि तमाम कोशिशों के बावजूद व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म्स को भी एकदम हैक प्रूफ नहीं किया जा सकता और इन्हें भी सिक्योरिटी चैलेंज का सामना करना पड़ सकता है।

यूजर्स को क्या करने की जरूरत?

व्हाट्सऐप यूजर्स को अपनी ऐप अपडेटेड रखने की सलाह दी गई है। यूजर्स प्ले स्टोर या ऐप स्टोर पर जाकर व्हाट्सऐप का लेटेस्ट वर्जन डाउनलोड कर सकते हैं। इस तरीके से कंपनी की तरफ से जारी किए गए सिक्योरिटी पैचेज इंस्टॉल हो जाएंगे। इसके अलावा यूजर्स को अनजान लोगों से आई हुई अटैचमेंट ओपन करने से भी बचना चाहिए। इन अटैचमेंट में मालवेयर हो सकता है, जो आपके डिवाइस की एक्सेस गलत हाथों में दे सकता है।

वैश्विक बाजारों में तेजी और चुनावी नतीजों के जोश में झूम उठा शेयर बाजार, रियल्टी और आईटी में जमकर हो रही खरीदारी

मुंबई, एजेंसी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों की गहमागहमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक हुई। सेंसेक्स 343.77 अंक या 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,257.27 और निफ्टी 66 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,063.55 पर था।

शुरुआती कारोबार में रियल्टी और आईटी शेयरों में खरीदारी देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर था। निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फार्मा के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, एलएंडटी, एमएंडएम, इंडिगो, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, सन फार्मा, टाइटन और टेक महिंद्रा गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, इटरनल, एचसीएल टेक, आईटीसी, बीईएल और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 442 अंक या 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,226 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 128 अंक या 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,136 पर था।

वैश्विक बाजार में तेजी बनी हुई है। हांगकांग, सोल और जाकार्ता के बाजार हरे निशान में थे। वहीं, जापान और शंघाई के बाजार राष्ट्रीय छुट्टी के चलते बंद हैं। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को मिले जुले बंद हुए थे। मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ और नैस्डैक 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

भारतीय बाजार में तेजी की एक वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को शुरू करना है, जिसके तहत हॉर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों को निकाला जाएगा। इसके लिए अमेरिका ने कई देशों से मदद भी मांगी है। वहीं, भारत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि फंसे जहाज और उनके कर्मचारी निर्दोष हैं और वे केवल हालात के कारण कठिनाइयों में घिर गए हैं।

उन्होंने आगे कि अमेरिका इन जहाजों को रास्ता दिखाएगा। साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह कोई खतरा पैदा करता है तो सख्त जवाब मिलेगा।

सैमसंग बायोलॉजिक्स की हड़ताल को पांचवां दिन, वेतन और मुआवजे में बढ़ोतरी की मांग

सैमसंग ग्रुप की बायोटेक शाखा सैमसंग बायोलॉजिक्स के यूनियन से जुड़े कर्मचारियों ने मंगलवार को पांचवें दिन भी अपनी पहली आम हड़ताल जारी रखी। वे ज्यादा वेतन और प्रदर्शन के आधार पर मिलने वाले मुआवजे में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। यूनियन के अनुसार, यह हड़ताल शुक्रवार को शुरू हुई थी, जिसमें यूनियन के 4,000 सदस्यों में से लगभग 2,800 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2011 में कंपनी की स्थापना के बाद से यह पहली हड़ताल है। पांच दिन की हड़ताल समाप्त करने के बाद यूनियन बुधवार से 'वर्क-टू-रूल' अभियान शुरू करने की योजना बना रही है। यूनियन से जुड़े मजदूर अपने मूल वेतन और प्रदर्शन से जुड़े वेतन में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी, हर मजदूर के लिए 30 मिलियन वॉन (लगभग 20,390 अमेरिकी डॉलर) का एकमुश्त नकद प्रोत्साहन और सालाना परिचालन मुनाफे के 20 प्रतिशत के बराबर बोनस की मांग कर रहे हैं।

कंपनी ने मूल वेतन और प्रदर्शन आधारित वेतन में कुल मिलाकर 6.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। दोनों पक्षों ने सोमवार को बातचीत फिर से शुरू की, लेकिन वे किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। वे इस सप्ताह के अंत में अपने मतभेदों को कम करने के लिए दो और बैठकें करने की योजना बना रहे हैं। यूनियन से जुड़े मजदूरों ने पिछले महीने तीन दिन की आंशिक हड़ताल की थी, जिससे कंपनी के अनुसार कम से कम 150 अरब वॉन (लगभग 101.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का नुकसान हुआ। कंपनी के एक सूत्र ने कहा, 'हड़ताल के दौरान श्रम मंत्रालय के मध्यस्थता के अनुरोध पर जवाब देने का हमारा फैसला बातचीत के जरिए इस मामले को सुलझाने की हमारी सच्ची कोशिशों का ही एक हिस्सा था।' प्रतिनिधि ने श्रमिक संघ से आग्रह किया कि वे अपनी 'अतार्किक' मांगों और सामूहिक कार्रवाई को रोकें और बातचीत की मेज पर लौट आएं। पिछले हफ्ते हुई पहली मध्यस्थता बैठक के दौरान, लेबर यूनियन ने कथित तौर पर कंपनी से बातचीत की शर्त के तौर पर अपनी सौदेबाजी समिति के सभी सदस्यों को बदलने की मांग की। कंपनी के लेबर यूनियन के अनुसार, 4,000 यूनियन सदस्यों में से लगभग 2,800 सदस्यों ने इस सामूहिक कार्रवाई में हिस्सा लिया है।

कंपनी का दावा है कि इस हड़ताल से कम से कम 640 अरब वॉन का नुकसान हो सकता है, जो कंपनी की पहली तिमाही की बिक्री के लगभग आधे के बराबर है।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामरिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारीबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई।

जमैका दौरे के दौरान किए कई समझौते

भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है।

इन क्षेत्रों में सहयोग करने पर जताई सहमति

जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकजुटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा

कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं, इसलिए आपसी बातचीत जरूरी है, खासकर जब यहां से सुरक्षित आवाजाही एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन गई है।

अगली पीढ़ी के एआई पर अमेरिका रखेगा पैनी नजर, तकनीकों को जांचने के लिए बनेगा नया प्रोटोकॉल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने तकनीक की दुनिया में एक बड़ा और सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। अब अमेरिका में अगली पीढ़ी के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) मॉडलों पर सरकार की सीधी निगरानी होने जा रही है। यह अहम फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि हाल के दिनों में कई ऐसी बेहद उन्नत और शक्तिशाली प्रणालियां सामने आई हैं, जिनसे भविष्य में कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। इन नई और तेज तकनीकों को आम जनता तक पहुंचने से पहले जांचना अब बहुत जरूरी हो गया है। यह कदम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सरकार तकनीक के बढ़ते खतरों को लेकर पूरी तरह से सतर्क है।

इस पूरी प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर ठीक से लागू करने के लिए व्हाइट हाउस एक खास 'एआई वर्किंग ग्रुप' बनाने जा रहा है। इसके लिए एक आधिकारिक कार्यकारी आदेश लाने पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यह वर्किंग समूह इस बात की गहराई से जांच करेगा कि तेजी से बढ़ती इस एआई तकनीक से जुड़े खतरों को कैसे संभाला जाए और सरकारी निगरानी तंत्र को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाए। इस समूह में उद्योग जगत के बड़े और अनुभवी नेता तथा सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। उनका मुख्य काम एक ऐसा नियम या प्रोटोकॉल बनाना होगा, जिससे किसी भी नए एआई मॉडल के बाजार में लॉन्च होने से पहले उसकी पूरी तरह से समीक्षा की जा सके।

इस सरकारी निगरानी तंत्र को मजबूती से तैयार करने के लिए ट्रंप प्रशासन ने पहले ही गूगल, एंथ्रोपिक और ओपनएआई जैसी बड़ी तकनीकी कंपनियों के साथ शुरुआती बातचीत कर ली है। व्हाइट हाउस के कुछ अधिकारी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जब तक अमेरिकी सरकार को इन उन्नत मॉडलों तक पहली पहुंच नहीं मिल जाती, तब तक इनका व्यावसायिक लॉन्च पूरी तरह से रोक दिया जाना चाहिए। इस कड़े फैसले का मुख्य उद्देश्य एआई की वैश्विक दौड़ में अमेरिका को दुनिया में सबसे आगे रखना है। इसके साथ ही, इन उन्नत एआई मॉडलों से होने वाले किसी भी संभावित खतरे को जड़ से खत्म करना भी इसका लक्ष्य है। सरकार का यह कदम इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले एआई उद्योग के बिना किसी रोक-टोक के विकास की जोरदार पैरवी कर चुके हैं। पिछले साल जुलाई में उन्होंने ही कहा था कि हम इस उद्योग को बिल्कुल शीर्ष पर पहुंचाएंगे क्योंकि यह एक सुंदर बच्चे की तरह है जिसका अभी जन्म हुआ है और हम इसे रोक नहीं सकते हैं। इसे राजनीति से भी नहीं रोका जा सकता है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस

बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

अधिकारियों की सुरक्षा के डर से उठाया यह कदम?

इस अहम फैसले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग ने स्थिति पूरी तरह से साफ कर दी है। प्रवक्ता ने कहा कि यह फैसला हमारे राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा और संसाधनों के सही प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पेशावर और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा की स्थिति हमेशा दुनिया के लिए चिंता का विषय रही है। ऐसे में अमेरिका अपने अधिकारियों की जान को किसी भी तरह के जोखिम में नहीं डालना चाहता है। दूतावास बंद करने का सीधा मतलब है कि अमेरिका अब वहां किसी भी तरह का खतरा मोल लेने के मूड में बिल्कुल नहीं है।

अमेरिका से रिश्ते खत्म हो जाएंगे?

इस बड़े सवाल का जवाब देते हुए अमेरिका ने कहा है कि पेशावर में दूतावास बंद होने का मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तान के साथ उसके कूटनीतिक रिश्ते खत्म हो रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान को लेकर उसकी नीतियां और प्राथमिकताएं पहले की तरह ही मजबूत और स्थिर रहेंगी। अमेरिका खैबर पख्तूनख्वा के लोगों और वहां के अधिकारियों के साथ लगातार बातचीत करता रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य आपसी आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करना और अमेरिकी लोगों के हितों को आगे बढ़ाना है।

शहरों में काम करते रहेंगे अमेरिकी अधिकारी?

पेशावर में वाणिज्य दूतावास बंद होने के बाद भी अमेरिका का कूटनीतिक मिशन पाकिस्तान में काम करता रहेगा। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने पूरा भरोसा दिलाया है कि अमेरिका का मिशन पाकिस्तान में बाकी जगहों पर पूरी तरह सक्रिय रहेगा। इस्लामाबाद, कराची और लाहौर में मौजूद अमेरिकी दूतावास और राजनयिक पद पहले की तरह ही अपना काम करते रहेंगे। इन तीनों बड़े शहरों के जरिए अमेरिका और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक रिश्ते आगे बढ़ाए जाएंगे। इसलिए पेशावर से हटने के बावजूद अमेरिका की पाकिस्तान में कूटनीतिक मौजूदगी पूरी मजबूती के साथ बनी रहेगी।

शिक्षा मंत्रालय का पेरिस में 'भारत इनोवेट्स 2026' से पहले रोड शो, इंडियन स्टार्टअप्स को दुनिया से जोड़ना मकसद

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल इंवेस्टर्स तक अपनी पहुंच बनाने की पहल के तहत शिक्षा मंत्रालय ने पेरिस में 'भारत इनोवेट्स 2026' का एक प्री-इवेंट रोड शो आयोजित किया, जिसमें इंटरनेशनल इनोवेशन पार्टनरशिप को मजबूत करने के लिए दुनिया भर के निवेशक, कॉर्पोरेट, यूनिवर्सिटीज और रिसर्च इंस्टीट्यूट एक साथ आए। रोड शो में भारत के तेजी से बढ़ते डीप-टेक और हायर एजूकेशन इनोवेशन इकोसिस्टम को दिखाया गया, जिसका मुख्य मकसद इंडियन स्टार्टअप्स को दुनिया भर के इंवेस्टर्स और सहयोगियों से जोड़ना था।

रोड शो के दौरान सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, स्पेस और इंडस्ट्री 4.0 जैसे नए क्षेत्रों में मौजूद अवसरों पर भी रोशनी डाली गई। 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम का आयोजन अगले महीने (14-16 जून) फ्रांस के नीस शहर में किया जाएगा। इस आयोजन का मकसद भारत की यूनिवर्सिटीज द्वारा किए गए इनोवेशन को लैब से बाजार तक और भारत से दुनिया तक पहुंचाना है।

'भारत इनोवेट्स 2026' के मुख्य कार्यक्रम से पहले आयोजित इस पेरिस रोड शो में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, पेरिस स्थित भारतीय दूतावास, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) और अलग-अलग हितधारकों के 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। फ्रांस के बिजनेस और इनोवेशन इकोसिस्टम के दिग्गज प्रतिभागियों में प्रतिनिधि जैसे 'ला फ्रेंच टेक' (La French Tech), 'विवाटेक' (VivaTech) और फ्रांस के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल हुए। मुख्य आयोजन से पहले आयोजित कार्यक्रम में ESCP बिजनेस स्कूल, ESSEC (फ्रांस), INRIA, cole Normale Suprieure, Agence Franaise de Dveloppement जैसे संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ-साथ इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स और अन्य वेंचर, एडवाइजरी, लीगल, इंडस्ट्री और स्टार्ट-अप नेटवर्कों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

इस रोड शो का मकसद एक ऐसे प्लेटफॉर्के रूप में काम करना था, जिसके माध्यम से संभावित निवेशकों और भागीदारों को 'भारत इनोवेट्स 2026' से जुड़े स्कोप, ऑबेजेक्टिव्स और लीगल निवेश से जुड़े अवसरों के बारे में जानकारी दी जा सके।

'भारत इनोवेट्स' का फोकस 13 प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर

कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए, शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव के। एम। प्रफुल्लचंद्र शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में 'भारत इनोवेट्स 2026' के महत्व पर प्रकाश डाला। खासतौर से भारत और फ्रांस स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के संदर्भ में। शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल ने 'भारत इनोवेट्स 2026' पर एक प्रस्तुति दी, साथ ही फ्रेंच तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स के लिए भारत के तेजी से आगे बढ़ते इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ जुड़ने के अवसरों को रेखांकित किया।

रोड शो के दौरान, यह भी बताया गया कि 'भारत इनोवेट्स' का मुख्य फोकस 13 अग्रणी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर है, इनमें एडवांस्ड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर्स, नेक्स्ट जेन कम्युनिकेशन (Next-Gen Communications), एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड क्रिटिकल मिनरल्स, बॉयो टेक्नोलॉजी, स्पेस एंड डिफेंस, मैन्यूफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्री 4.0 आदि शामिल हैं। इसका मुख्य मकसद इनोवेटर्स, इंस्टीट्यूटशन्स और एकेडमिक एंड इंडस्ट्री के बीच एक मजबूत ब्रिज का निर्माण करना है।

फरवरी में पीएम मोदी ने किया ऐलान

भारत इनोवेट्स 2026 का इन्वेस्टर फोकस्ड ढांचा भी पेश किया गया, जिसमें यह बताया गया कि इस सम्मेलन से ग्लोबल इनवेस्टर्स के लिए खास तौर पर तैयार किए गए वन-टू-वन मैचमेकिंग सेशंस, क्षेत्र-विशेष चर्चाओं और स्टार्टअप प्रदर्शनियों के जरिए हाई-वैल्यू और समय-कुशल जुड़ाव को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इश रोड शो का समापन एक इंटरैक्टिव सवाल-जवाब के सत्र के साथ हुआ, जिससे प्रतिभागियों को भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधे जुड़ने और इनोवेशन, रिसर्च, इंवेस्ट और बाजार पहुंच के क्षेत्रों में संभावित साझेदारियों की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिला।

'यह पीठ में छुरा घोंपने जैसा' : विजय का समर्थन करने के लिए कांग्रेस पर भड़की द्रमुक, कहा– ऐसे ये खत्म हो जाएंगे

कोलकाता, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में बहुत बड़ा भूचाल आ गया है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके को नई सरकार बनाने के लिए कांग्रेस की तरफ से समर्थन दे दिया गया है। सत्ताधारी द्रमुक इस बात से बुरी तरह से भड़क गई है। द्रमुक ने अपने सबसे पुराने राष्ट्रीय सहयोगी कांग्रेस के इस अचानक पाला बदलने वाले कदम को 'पीठ में छुरा घोंपना' बताया। इस चुनाव में द्रमुक को करारी हार का सामना करना पड़ा है और अब उसके सबसे पुराने साथी ने भी उसका साथ छोड़ दिया है, जिससे राजनीतिक माहौल बेहद गर्म हो गया है। द्रमुक के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी ने टीवीके के साथ गठबंधन करने और उन्हें अपना समर्थन देने का जो फैसला किया है, वह एक बहुत बड़ा धोखा है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ द्रमुक की ही नहीं, बल्कि पूरे तमिलनाडु की जनता की पीठ में भी छुरा घोंपा है। अन्नादुरई ने अपनी गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि कांग्रेस ने तमिलनाडु की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का भी घोर अपमान किया है। यह सब इतनी जल्दी हुआ है कि चुनाव प्रक्रिया अभी पूरी तरह से खत्म भी नहीं हुई थी और कांग्रेस ने टीवीके से हाथ मिला लिया।

हस्ताक्षर सूखने से पहले ही कर लिया गठबंधन?

द्रमुक प्रवक्ता ने कांग्रेस की इस जल्दबाजी पर तंज कसते हुए कहा कि जीत के प्रमाण पत्र पर चुनाव अधिकारी के हस्ताक्षर की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि कांग्रेस ने अपना नया गठबंधन तय कर लिया। अन्नादुरई ने कांग्रेस को उसका पुराना इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि हमने हमेशा और हर कदम पर कांग्रेस का पूरा समर्थन किया है। यह हमारे नेता एमके स्टालिन ही थे जिन्होंने सबसे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया था। इसके बावजूद कांग्रेस ने द्रमुक के साथ इतना बड़ा धोखा किया है।

कांग्रेस ने दिया सशर्त समर्थन

तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने टीवीके प्रमुख विजय को अपना समर्थन देने का आधिकारिक एलान कर दिया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधायक दल द्वारा दिया गया यह समर्थन पूरी तरह से सशर्त है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि उसका लक्ष्य राज्य में एक धर्मनिरपेक्ष और संविधान की रक्षा करने वाली सरकार बनाना है, जिसके लिए टीवीके को गठबंधन में कुछ बुनियादी उसूलों का पालन करना होगा।

क्या हैं कांग्रेस की प्रमुख शर्तें

साम्प्रदायिक ताकतों से दूरी... टीवीके को अपने इस गठबंधन से उन सभी साम्प्रदायिक ताकतों को पूरी तरह बाहर रखना होगा, जिनकी भारत के संविधान में कोई आस्था नहीं है। संवैधानिक मूल्यों का पालन... डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा स्थापित किए गए संवैधानिक आदर्शों को इस गठबंधन का मूल आधार बनाना होगा।

रेड ड्रेस में कियारा आडवाणी का दिखा कातिलाना अंदाजा, फिल्म की स्क्रीनिंग में लूट ली महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में है. हाल ही में वो मुंबई में द डेविल वेयर्स प्रादा 2 की स्क्रीनिंग में नजर आई थीं, जिसमें उनके ग्लैमरस और एलिगेंट लुक ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. इसी बीच कियारा ने कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वो बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं. तो आइए उनके लुक पर एक नजर डालते है.

कियारा का रेड बॉडी-हगिंग गाउन बहुत एलिगेंट है, जिसका हाई नेक डिजाइन उन्हें ग्लैमरस बना रहा है. ये ड्रेस उनकी फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही हैं. उनके बाल सॉफ्ट वेव्स में खुले हुए हैं, जो मिडल पार्टिंग के साथ स्टाइल किए गए हैं. हेयरस्टाइल बहुत स्मूद और शाइनी लग रहा है, जो उनके पूरे लुक को क्लासी टच देता है. कियारा ने न्यूड और ग्लोइंग मेकअप रखा है, जिसमें सॉफ्ट आईशैडो, डिफाइंड ब्रोज और न्यूड लिपस्टिक है. उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें बड़े गोल्डन स्टेटमेंट ईयररिंग्स और हाथ में कुछ ब्रेसलेट्स दिखाई दे रहे हैं. ये एक्सेसरीज़ उनके रेड ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बनाते हैं. कियारा ने मैचिंग रेड हाई हील्स पहनी हैं, जो उनके आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रही हैं. हील्स का डिजाइन शाइनी है, जो उनके पूरे लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है. बता दें कि कियारा जल्द ही साउथ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरीटेल ग्रोन अप्स में नजर आएंगी. ये फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली थी, हालांकि मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया है. अभी इसकी दूसरी तारीख सामने नहीं आई है. इस फिल्म में उनके साथ यश, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, नयनतारा और तारा सुतारिया जैसी कलाकार दिखाई देंगी.

पैट्रियट ने दुनियाभर में मचाई धूम, तीन दिन में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 60 करोड़ के हुआ पार

पैट्रियट साल की मच अवेटेड फिल्म थी। मोहनलाल और ममूटी स्टारर इस स्पाई पॉलिटिकल थ्रिलर ने 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। इसे क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू मिला और इसने कई नई फिल्मों से क्लैश के बावजूद शानदार ओपनिंग की। हालांकि वीकेंड पर द पैट्रियट के कलेक्शन में घरेलूबाजार में गिरावट दर्ज की गई लेकिन वर्ल्डवाइड इसने गर्दा उड़ा दिया है। जानते हैं इस फिल्म का तीसरे दिन का कलेक्शन कितना रहा है?

मोहनलाल और ममूटी की द पैट्रियट की शुरुआत तो धमाकेदार हुई लेकिन फिर दूसरे ही दिन इसकी कमाई में मंदी देखी गई। वहीं ये फिल्म रविवार की छुट्टी का भी फायदा नहीं उठा पाई और इसके कलेक्शन में फिर काफी गिरावट दर्ज की गई है।

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक द पैट्रियट ने रिलीज के पहले दिन भारत में 10 करोड़ के कलेक्शन के साथ खाता खोला था। दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.15 करोड़ कमाए।

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द पैट्रियट ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को घरेलू बाजार में 5.50 करोड का कलेक्शन किया है।

इसी के साथ पैट्रियट की तीन दिनों की कुल कमाई अब 21.65 करोड़ रुपये हो गई है।

पैट्रियट की कमाई में घरेलू बाजार में बेशक मंदी देखी जा रही है लेकिन विदेशों में ये फिल्म कमाल कर रही है। बता दे कि तीसरे दिन फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगभग 9 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। इससे फिल्म का कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 38.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसी के साथ घरेलू और विदेशी बॉक्स ऑफिस को मिलाकर इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 63.161 करोड़ रुपये हो गई है। जो तीन दिनों में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है। मलयालम भाषी क्षेत्रों में भी फिल्म का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसके चलते यह फिल्म इस साल अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

पैट्रियट का निर्देशन महेश नारायणन ने किया है और यह एक स्पाई-एक्शन थ्रिलर है जिसमें कई बड़े कलाकार हैं। ममूटी और मोहनलाल के साथ, फिल्म में फहद फासिल, कुंचको बोबन, नयनतारा, रेवती, दर्शना राजेंद्रन और राजीव मेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर सुशिन श्याम ने तैयार किया है।

धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 को चटाई धूल, 1,788 करोड़ कमाकर बॉक्स ऑफिस पर किया राज

रणवीर सिंह की जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज ने 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 46 दिन पूरे कर लिए हैं और अभी तक बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा जमाकर बैठी है। फिल्म का खुमार लोगों पर इस कदर छाया है कि यह आए दिन किसी न किसी नए रिकॉर्ड को अपने नाम कर रही है। अब खबर है कि धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर फिर इतिहास रच दिया है।

आमिर खान की फिल्म दंगल (लगभग 2,070 करोड़) के बाद, धुरंधर 2 वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इसने 4 मई की सुबह तक कुल 1,789 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। इसने एसएस राजामौली की बाहुबली 2: द कंक्लूजन (अप्रैल, 2017) के 10 साल के रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया। बता दें, बाहुबली 2 का वैश्विक कलेक्शन करीब 1,788 करोड़ रुपये है।

धुरंधर 2 रिलीज के 46 दिन पूरे करने के बावजूद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी हुकूमत बनाए हुए है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 46वें दिन, यानी रविवार को 1.25 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 1,138.54 करोड़ रुपये हो गया है। धुरंधर 2, 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का सीक्वल है। पहली फिल्म भी सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर थी, जिसने दुनियाभर में करीब 1,300 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर दिखाया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com